

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़ में फिर मिली 15 से 16 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, ई- मेल से फैली दहशत



चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ के करीब 15 से 16 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। स्कूलों को ईमेल के जरिए धमकी भरे संदेश भेजे गए हैं। सूचना मिलने के बाद चंडीगढ़ पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीमों ने जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धमकी भरे ईमेल में चंडीगढ़ में बम धमाकों का जिक्र किया गया है। ईमेल में अलग-अलग समय पर धमाके करने और कुछ लोगों को निशाना बनाने की धमकी भी दी गई है। संदेश में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे के साथ कुछ संगठनों और व्यक्तियों के नाम भी लिखे गए हैं। पुलिस ईमेल की जांच कर रही है और साइबर विशेषज्ञों की मदद से धमकी भरे संदेश भेजने वाले का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की टीम स्कूल परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर रही हैं। चंडीगढ़ के स्कूलों को पहले भी इस तरह के धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। धमकी की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

अग्रवाल समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह, नेमी चंद गुप्ता सहित कई भाभाशाह हुए सम्मानित



जयपुर, एजेंसी। श्री अग्रवाल समाज समिति, जयपुर की ओर से अग्रसेन जयंती महोत्सव के पावन अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विकास में उकृष्ट योगदान देने वाले भाभाशाहों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में श्री अग्रसेन विकास ट्रस्ट, जयपुर के महामंत्री नेमी चंद्र गुप्ता को समाज में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय और सहायनीय कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मालवीय नगर, जयपुर के निवासी नेमी चंद गुप्ता लंबे समय से समाज कल्याण के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सेवा कार्यों में विधवा व निर्धन महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और समाज के बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। वर्तमान में वह श्री अग्रसेन विकास ट्रस्ट में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जो जयपुर आने वाले प्रतिभाशाली छात्रों के लिए आवास, भोजन तथा छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। अग्रवाल समाज ने उनके इन निस्वार्थ उच्चों की जमक प्रशंसा की और उनके ऊज्वल भविष्य की कामना की। इस गरिमायुगी अवसर पर समाज की अन्य खेल, शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं के साथ-साथ कई भाभाशाहों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जयपुर की सांसद मंजू शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, समाज के अध्यक्ष सी.ए. ओ.पी. अग्रवाल एवं अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल मजबूत कर रही सरकार :रणवीर गंगवा

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणवीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का नेटवर्क मजबूत कर गांवों को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में कनकाल जिले में पिचोलिया हेड से जानी गांव तक पश्चिमी यमुना नहर के बाएं किनारे पर 10 करोड़ 38 लाख 52 हजार रुपये की लागत से नई सड़क बनाई जाएगी। इस सड़क के निर्माण से आसपास के गांवों का सड़क संपर्क बेहतर होगा और ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। गंगवा ने बताया कि प्रस्तावित सड़क 1.20 किलोमीटर लंबी और 5.50 मीटर चौड़ी होगी। सड़क निर्माण से पिचोलिया, जानी और बुधनपुर गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रस्तावित इस सड़क के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग से अनापति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधाएं लोगों की दैनिक जरूरतों से जुड़ी हैं। सड़कों का विस्तार होने से गांवों के बीच आवागमन आसान होता है और ग्रामीणों को अपने जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में सुविधा मिलती है। प्रदेश सरकार गांवों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

दिल्ली में स्कूल के बाहर 12वीं के छात्र की गले में चाकू घोंपकर हत्या

➤ सहम गए टीवर्स
➤ 5 आरोपित अरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहन गार्डन स्थित सरकारी स्कूल के बाहर छात्रों के बीच शुरू हुआ विवाद खूनी हमले में बदल गया। 14 अक्टूबर की शाम छुट्टी के बाद 12वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। हमले के बाद छात्र गले में चाकू घुसा होने की स्थिति में ही स्कूल के अंदर पहुंचा। उसे लहलुहान देखकर एक शिक्षक ने उसके गले में घुसे चाकू को बाहर निकाला और खून रोकने की कोशिश की। शिक्षकों का आरोप है कि कई बार पीसीआर काल करने के बावजूद पुलिस की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। बाद में स्कूल का एक कर्मचारी थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले में अब तक तीन नाबालिगों और दो बालिगों समेत पांच आरोपितों को पकड़ा है।

इलाज के दौरान हुई मौत: द्वाका जिले



के पुलिस उपायुक्त के अनुसार, 14 अक्टूबर को शाम करीब 6:10 बजे मोहन गार्डन थाने में स्कूल के पास एक लड़के को चाकू मारने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल छात्र को तारक अस्पताल ले जाया गया है। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहन गार्डन निवासी एन के रूप में हुई। वह 12वीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता पूर्व सैनिक हैं और वर्तमान में गुरुग्राम में निजी

सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं।

जूते की शिकायत पर हुआ था विवाद: पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, उसी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले के ने निर्धारित पैटर्न के जूते नहीं पहनने को लेकर ए की शिकायत शिक्षक से की थी। इस बात पर दोनों के बीच तीखी बहस हुई और के ने ए को धमकी दी थी। छुट्टी के बाद ए अपने दोस्तों के साथ स्कूल के गेट से बाहर निकला। उसके साथ मृतक छात्र भी था।

राजस्थान पंचायत चुनाव में भाजपा की होगी जीत: डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में पंचायत राज चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दावा किया है कि पंचायत चुनाव में भाजपा जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा चुनावी मोड़ में रहती है और पार्टी के कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुःख तथा विकास कार्यों में भागीदारी निभाते हैं। बैरवा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की ओर से किए गए कार्यों को भी पार्टी की संभावित जीत का आधार बताया। डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने आईएनएस से बातचीत में कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता हर समय जनता के बीच रहकर काम करते हैं। जनता की समस्याओं को समझने और विकास



कार्यों में भागीदारी निभाने के कारण पार्टी को लोगों का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि पंचायत राज चुनाव में भाजपा को व्यापक समर्थन मिलेगा और पार्टी जीत हासिल करेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने हर वर्ग और हर क्षेत्र के लिए काम किया है। राजस्थान की जनता लंबे समय से जिन कार्यों की उम्मीद कर रही थी, उन्हें

पूरा करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। बैरवा ने यमुना जल समझौते, नर्मदा समझौते और इंदोआरसीपी का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान में पानी की समस्या का स्थायी समाधान करने की दिशा में काम किया जा रहा है। प्रदेश में बार-बार सूखे और पानी की कमी की समस्या सामने आती रही है, लेकिन सरकार इस समस्या को दूर करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने नजद का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें शामिल योजनाओं पर धरातल पर काम भी शुरू हो रहा है। इन प्रयासों से राजस्थान के किसानों और आम जनता को लाभ मिलेगा तथा पानी की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। उपमुख्यमंत्री ने रोजगार के मुद्दे पर कहा कि राज्य में युवाओं को एक लाख से अधिक

सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने पिछली व्यवस्था पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं को बेरोजगारी की ओर धकेला था। बैरवा ने कहा कि पेपर लीक मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने का काम किया गया है। उन्होंने राजिगं राजस्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से भी युवाओं को अवसर देने के प्रयास किए गए हैं। प्रेमचंद बैरवा ने विश्वास जताया कि राजस्थान की जनता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा के साथ है। उन्होंने दोहराया कि सरकार के विकास कार्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रियता के चलते पंचायत चुनाव में भाजपा को जनता का समर्थन मिलेगा।

विदेशी धरती से भारत का माहौल बिगाड़ने का षडयंत्र

लंदन, एजेंसी। भारत में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी राजनीतिक विवाद अब ब्रिटेन तक पहुंच गया है। राजनीतिक गलियारों में इसे विदेशी धरती से भारत का माहौल बिगाड़ने का षडयंत्र बताया जा रहा है। अमेरिका से मोदी सरकार के खिलाफ फंडा की खबरों के बीच अब ब्रिटेन से भी कांक्रोच जनता पार्टी को शय का मामला सामने आया है। भारत में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शनों के समर्थन में ब्रिटेन में रह रहे विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। मंगलवार शाम हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने भारत में मताधिकार की रक्षा के नाम पर



जारी आंदोलन के प्रति एकजुटता जताई और मुख्य निर्वाचन आयुक्त जनेश कुमार को पद से हटाने तथा एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने की मांग का समर्थन किया। इस प्रदर्शन में 'साउथ एशिया सोल्लिडैरिटी ग्रुप', 'कैम्ब्रिज साउथ एशियन फोरम ऑफ स्टूडेंट्स', 'इंडियन वर्कर्स एसोसिएशन' और 'एसओएस आंबेडकर सोसाइटी' जैसे संगठन शामिल थे। इन समूहों की भागीदारी ने भारत के चुनावी विवाद को विदेशी धरती पर

इसी मुद्दे को लेकर लंदन में आयोजित प्रदर्शन में भी इन मांगों को उठाया गया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां लेकर निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए। भारत के चुनावी और संवैधानिक मुद्दे पर विदेश में प्रदर्शन से सवाल उठता है कि भारत के अंदरू राजनीतिक विवादों को क्षेत्राध्यक्ष पत्र पर उठाने से किस तरह का राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मोदी सरकार के आलोचक संगठनों की भूमिका : प्रदर्शन में शामिल 'साउथ एशिया सोल्लिडैरिटी ग्रुप' भारत की मौजूदा सरकार की नीतियों का मुखर आलोचक रहा है। संगठन अपनी सार्वजनिक सामग्री में रद्दकृद् करने और मोदी सरकार के खिलाफ राजनीतिक विरोध की बात उठता रहा है।

अमेरिका में ओपनएआई ऑफिस की जासूसी करता धरा सऊदी का इंजीनियर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के सैन फ्रांसिस्को स्थित कार्यालय में जासूसी का मामला सामने आया है। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, 35 वर्षीय सऊदी इंजीनियर अब्दुल रहमान अलफोजान ने कंपनी के एक उच्चस्तरीय बैठक कक्ष में टीवी के पीछे टॉयलेट पेपर में लपेटकर रिकॉर्डिंग उपकरण छिपाया था। आरोपी को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उपकरण ने किसी बैठक की रिकॉर्डिंग हुई थी या नहीं। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अलफोजान जुलाई 2025 से ओपनएआई में काम कर रहा था। आरोप है कि उसने एक स्कॉर रिकॉर्डिंग उपकरण को टॉयलेट पेपर में लपेटकर कंपनी के कार्यकारी अधिकारियों के सम्मेलन कक्ष में लगे टेलीविजन के पीछे छिपा दिया। बताया गया है कि कंपनी की सुरक्षा टीम को सितंबर के अंत में यह उपकरण मिला। इसके बाद मामले की जांच

शुरू हुई और संघीय जांच ब्यूरो की भी इसमें शामिल किया गया। जांचकर्ताओं के मुताबिक, सुरक्षा कैमरों में आरोपी को सम्मेलन कक्ष के आसपास कई बार घूमते हुए देखा गया। आरोप है कि उसे वहां होने वाली उच्चस्तरीय बैठकों में शामिल होने की अनुमति नहीं थी। अभियोजन पक्ष यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि उपकरण लगाने के पीछे उसका उद्देश्य क्या था और क्या इससे किसी गोपनीय बातचीत को रिकॉर्ड किया गया। जांच के अनुसार, आरोपी ने कंपनी की इमारतों, बैठक कक्षों, कैलेंडर, बैठकों के समय और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए एक आंतरिक उत्पादकता उपकरण का इस्तेमाल किया था। अधिकारियों को आरोपी के जीवनसाथी से जुड़े एक चैटबॉट खाते की खोज संबंधी गतिविधियों में दूर से आवाज रिकॉर्ड करने और मेमोरी कार्ड के आंकड़ों को कूटबद्ध करने से संबंधित सवाल भी मिले।

पाकिस्तान समेत मुस्लिम देशों के वरू मेंबर्स पर बैन, फ्लाईदुबई घटना के बाद इजरायल-फ्रांस ने लिया बड़ा फैसला

यरूशलम, एजेंसी। फ्लाईदुबई की घटना के बाद, एयर फ्रांस ने इजराइल के नियमों को मानते हुए पाकिस्तानी और मुस्लिम-बहुसंख्यक देशों के वरू सदस्यों पर रोक लगा दी है। एयर फ्रांस ने पुष्टि की है कि वह इजरायल के नए नियमों का पालन कर रहा है। इन नियमों के तहत कुछ खास देशों के फ्लाइट करू सदस्यों को इजरायल के लिए फ्लाइट उड़ाने की इजाजत नहीं है।

इजरायल ने मुस्लिम देशों पर लगाया बैन: इजरायल की यह पॉलिसी 31 देशों के नागरिकों पर असर डालती है, जिनमें से ज्यादातर मुस्लिम-बहुसंख्यक देश हैं, जैसे पाकिस्तान, ईरान, सऊदी अरब, अल्जीरिया और ट्यूनीशिया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, एयर फ्रांस ने एक बयान में कहा, सभी एयरलाइनों की तरह, एयर फ्रांस को भी उन देशों के अधिकारियों द्वारा बनाए गए एंटी



नियमों का पालन करना होता है जहां वह अपनी सेवाएं देती है, चाहे वे नियम उसके ग्राहकों के लिए हों या कर्मचारियों के लिए। एयरलाइन ने आगे कहा, तेल अवीव जाने वाली फ्लाइट्स के लिए इजरायली अधिकारियों द्वारा लागू किए गए नए नियमों के बारे में संबंधित स्टाफ को जानकारी दे दी गई है।

इजरायल का विदेशी एयरलाइंस को साफ संदेश: इजरायली ब्रॉडकास्टर ह12 के मुताबिक, फ्लाईदुबई की घटना के बाद

इजरायल के परिवहन और सड़क सुरक्षा मंत्रालय ने 1 अक्टूबर को विदेशी एयरलाइनों को साफ संदेश दिया है। मंत्रालय ने विदेशी एयरलाइनों को सूचित किया है कि इजरायली हवाई क्षेत्र में फ्लाइट उड़ाने वाले पायलटों और केप्टन वरू के पास ऐसे देशों की नागरिकता या दोहरी नागरिकता नहीं होनी चाहिए जिनके इजरायल के साथ राजनैतिक संबंध नहीं हैं। जानकारी सामने आई है कि इस आदेश में 31 देश शामिल हैं, जिनमें से कई मुस्लिम-बहुसंख्यक देश हैं। इस सूची में पाकिस्तान, ईरान, ओमान, सऊदी अरब, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया और नाइजर शामिल हैं। इजरायल ने यह कदम ओमानी पायलट के फ्लाईदुबई फ्लाइट के दौरान कोशिश के बाद उठाया है। इस फ्लाइट को भारतीय कैप्टन रिमत मच्छर ने क्रीश होने से बचाया था।

60 डॉलर की मामूली घड़ी से थाईलैंड की राजनीति में भूचाल

करोड़ों की रोलेक्स छोड़ मंत्रियों में लगी पहनने की होड़, जानें ‘कैसियो कनेक्शन’

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड की राजनीति में अब करोड़ों रुपए की महंगी घड़ियों के बजाय महज 60 डॉलर यानी करीब 5,000 रुपये की कैसियो घड़ी चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, थाईलैंड की राजनीति में महंगी घड़ियां लंबे समय से रतबे और हैसियत का प्रतीक रही हैं, लेकिन अब प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल की ओर से दिया जा रहा एक सस्ता तोहफा सुर्खियों में है। करीब 60 डॉलर की कैसियो घड़ी मंत्रियों, वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक सहयोगियों के बीच खास पहचान बन गई है। यह घड़ी कैसियो का मांडल



एई1200डब्ल्यूएच है, जिसे उसके खास नक्शे वाले डिजिटल प्रदर्शन और पुराने जमाने जैसी आधुनिक बनावट के कारण ‘कैसियो रॉयल’ भी कहा जाता है।

प्रधानमंत्री इस पर अपना नाम खुदवाकर लोगों को भेंट करते हैं। घड़ी पाने वाले कई लोग इसे नियमित रूप से पहन रहे हैं। इसी चलन को राजनीतिक हलकों में ‘कैसियो कनेक्शन’ कहा जाने लगा है। प्रधानमंत्री को तोहफा प्रसितों की खास पहचान: थाईलैंड के उप परिवहन मंत्री सिरिपोंग अंगकासाकुलकियात को भी प्रधानमंत्री से यह घड़ी मिली है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद उन्हें यह तोहफा दिया गया था। इसके बाद से वह इसे लगभग रोज पहन रहे हैं। सिरिपोंग के मुताबिक, किसी वस्तु का

महत्व केवल उसकी कीमत से तय नहीं होता, बल्कि यह भी मायने रखता है कि उसे किसने दिया है। उन्होंने मजाक में कहा कि अब उन्होंने हजारों डॉलर की महंगी घड़ियां पहनना लगभग छोड़ दिया है। सिरिपोंग के अनुसार, प्रधानमंत्री बैंकाक में अपनी यात्राओं और विभिन्न स्थानों के दौरे के दौरान छोटी दुकानों और बाजारों से ये घड़ियां खरीदते हैं। इसके बाद उन पर अपना नाम खुदवाकर सहयोगियों को भेंट करते हैं। घड़ी पाने वालों के बीच अब इस बात की भी चर्चा होने लगी है कि किसे धातु की पट्टी वाली घड़ी मिली और किसे

रेजिन की पट्टी वाली। **सस्ती घड़ी के बड़े राजनीतिक मायने:** राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह चलन केवल फैशन तक सीमित नहीं है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मिला साधारण-सा उपहार भी उसके साथ निकटता और विशेष संबंधों का संकेत बन सकता है। सिंगपुर स्थित आईएसईएस-यूसुफ इशाक संस्थान के अतिथि शोधार्थी नापोन जटुसिपितक का मानना है कि प्रधानमंत्री से मिला ऐसा उपहार पाने वाले व्यक्ति में एहसान चुकाने की भावना पैदा कर सकता है।

सीधी में कर्मचारी संगठनों की समस्याओं पर मंथन, अपर कलेक्टर ने सुनीं मांगों

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक में कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दे उठे, संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समस्याओं के निराकरण पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शासकीय कर्मचारियों की समस्याओं, मांगों और सेवा संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से 9 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभागार में संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री बी.पी. पाण्डेय ने की इसमें जिले के विभिन्न पंजीकृत कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर कर्मचारियों से संबंधित समस्याओं और मांगों को एजेंडे के रूप में प्रस्तुत किया बैठक में कर्मचारी संगठनों की ओर से उठाए गए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई अपर कलेक्टर पाण्डेय ने संगठनों के प्रतिनिधियों की बातें सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ मुद्दों पर आवश्यक विचार-विमर्श किया बैठक का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखना तथा उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई



सुनिश्चित करना रहा।
कर्मचारी संगठनों ने रखे अपने मुद्दे: संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक में जिले के विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने सहभागिता की संगठनों के प्रतिनिधियों को कर्मचारियों से जुड़ी समस्याएं और मांगें प्रस्तुत करने का

अवसर मिला बैठक में उठाए गए विषयों पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर उनके समाधान की संभावनाओं पर विचार किया गया प्रशासन की ओर से कर्मचारी संगठनों की बात सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया इस तरह की

बैठकें कर्मचारियों और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करने तथा सेवा संबंधी समस्याओं को उचित मंच पर प्रस्तुत करने का माध्यम होती हैं।
पेंशनर और शिक्षक संगठनों की रही भागीदारी: बैठक में सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी पेंशनर

महासंघ जिला शाखा सीधी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस, अपाकस, मध्यप्रदेश वन कर्मचारी संघ, मध्यप्रदेश शिक्षक संघ तथा मध्यप्रदेश लघुवैतन कर्मचारी संघ के पदाधिकारी शामिल हुए विभिन्न संगठनों की उपस्थिति से कर्मचारियों के अलग-अलग वर्गों से जुड़े विषयों को बैठक में प्रस्तुत किया गया। इसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों, शिक्षकों, वन कर्मचारियों और अन्य शासकीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों ने हिस्सा लिया।

समस्याओं के निराकरण की दिशा में पहल: बैठक के दौरान अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की बात सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। बैठक का उद्देश्य समस्याओं पर विचार करने के साथ उनके निराकरण के लिए आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाना रहा।

जनगणना 2027 में OBC के लिए अलग जाति कॉलम की मांग, मऊगंज में महासभा ने निकाला पैदल मार्च



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जनगणना 2027 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की अलग श्रेणी निर्धारित करने और जातिवार जनसंख्या दर्ज करने की मांग को लेकर गुरुवार को ओबीसी महासभा ने मऊगंज में पैदल मार्च निकाला। जिला अध्यक्ष राजेश प्रसाद पटेल के नेतृत्व में संगठन के करीब 50 कार्यकर्ता जनपद कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक पहुंचे यहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल के नाम अपर कलेक्टर पीके पांडे को ज्ञापन सौंपकर ओबीसी समुदाय की जातिवार जनगणना कराने की मांग उठाई गई महासभा का कहना है कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और पिछड़े वर्गों के विकास के

लिए उनकी वास्तविक जनसंख्या के प्रमाणित आंकड़े उपलब्ध होना जरूरी है संगठन ने मांग की कि जनगणना की प्रक्रिया में ओबीसी समुदाय की पहचान और जातिवार विवरण दर्ज करने के लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाई जाए।
एससी-एसटी की तरह ओबीसी के लिए भी अलग श्रेणी की मांग: ज्ञापन में कहा गया कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की तरह ओबीसी के लिए भी जनगणना में अलग श्रेणी और जाति कॉलम निर्धारित किया जाना चाहिए इससे अन्य पिछड़ा वर्ग की कुल आबादी के साथ-साथ प्रत्येक जाति की जनसंख्या का

सटीक आंकड़ा सामने आ सकेगा संगठन ने ओबीसी में शामिल सभी मान्य जातियों की प्रमाणित सूची तैयार करने, जातियों के अलग-अलग प्रचलित नामों और पर्यायवाची नामों में एकरूपता लाने तथा प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट कोड निर्धारित करने की मांग भी रखी।

जनसंख्या के आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग: ओबीसी महासभा ने ज्ञापन में मांग की कि जनगणना के दौरान ओबीसी की कुल जनसंख्या और प्रत्येक जाति की आबादी के आंकड़े एकत्रित किए जाएं। इन आंकड़ों को सार्वजनिक करने की व्यवस्था भी होनी चाहिए ताकि विभिन्न समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन किया जा सके संगठन के अनुसार प्रमाणित जातिवार आंकड़े शिक्षा, रोजगार और आरक्षण से संबंधित नीतियां तैयार करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। इससे पिछड़े वर्गों के लिए संचालित योजनाओं की जरूरतों का आकलन करने और उनके लाभों के वितरण में भी सहायता मिल सकती है।

सीधी में कथित धर्मांतरण मामले में दो महिलाएं गिरफ्तार, एक लाख रुपए और सरकारी नौकरी का लालच देने का आरोप



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र में कथित धर्मांतरण के मामले में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान नीलम दीक्षित और गीता दीक्षित के रूप में हुई है पुलिस ने बुधवार शाम दोनों को हिरास्त में लेकर गिरफ्तार किया गुस्वार को उन्हें न्यायालय में पेश किए जाने की जानकारी दी गई है मामले में शिकायतकर्ता ने धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और इसके बदले

आर्थिक लाभ सहित अन्य सुविधाओं का प्रलोभन देने का आरोप लगाया है जानकारी के अनुसार फरियादी सुनाथ प्रजापति ने 11 अक्टूबर को जमोड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत में आरोप लगाया गया कि उन पर धर्म बदलने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इसके बदले एक लाख रुपए देने, सरकारी नौकरी दिलाने तथा मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसी दिन मामला

दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार किया गया जमोड़ी थाना प्रभारी केदार परोहा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच की गजांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रार्थना सभा के दौरान हुआ था विवाद: मामले से जुड़ी घटना 11 अक्टूबर को जमोड़ी की एमपीईवी कॉलोनी के पीछे स्थित एक निजी मकान की बताई जा रही है यहां प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही थी इसी दौरान बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने कथित धर्मांतरण गतिविधियों का आरोप लगाया इस बात को लेकर विवाद की स्थिति बन गई और मारपीट भी हुई जिसमें तीन कार्यकर्ताओं के घायल होने की जानकारी सामने आई थी।

सिंगरौली में तीसरी मंजिल से गिरा मजदूर, दोनों हाथ-पैर में फ्रैक्चर, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के नवानगर मार्केट में गुरुवार दोपहर एक निर्माणधीन मकान में काम करते समय 32 वर्षीय मजदूर हादसे का शिकार हो गया करीटी निवासी लाले केवट तीन मंजिला मकान की तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया हादसे में उसके दोनों हाथ और पैर में फ्रैक्चर हुआ है शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है जानकारी के अनुसार लाले केवट नवानगर मार्केट में बन रहे मकान में मजदूरी कर रहा था मकान के सामने से हाईटेशन बिजली की लाइन गुजर रही है आशंका जताई जा रही है कि काम के दौरान उसे करंट का झटका लगा जिससे वह संतुलन खोकर नीचे गिर

गया बताया गया कि मजदूर ने सुरक्षा बेल्ट नहीं पहनी थी।
सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: स्थानीय लोगों ने हादसे के लिए ठेकेदार सीताराम और मकान मालिक को कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है उनका आरोप है कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती घटना की सूचना मिलने पर नवानगर थाना प्रभारी राजेंद्र पाठक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे घायल मजदूर को उपचार के लिए जिला अस्पताल बहून भेजा गया जहां उसका इलाज जारी है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रीवा में जमीन पर अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, भूमिस्वामियों ने मांगी सुरक्षा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के ग्राम समान, तहसील हुजूर में भूमि विवाद को लेकर अवैध कब्जे और जान-माल की धमकी देने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मास्टर बुद्धदेन पटेल ने जीतेन्द्र जायसवाल, मनीष तिवारी एवं अन्य लोगों पर खसरा क्रमांक 517/16 की 0.193 हेक्टेयर भूमि पर कथित रूप से कब्जा करने जमीन का स्वरूप बदलने और निर्माण कार्य कराने का आरोप

लगाया है उन्होंने संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और भूमिस्वामियों को सुरक्षा देने की मांग की है।

सीमांकन और स्वामित्व को लेकर विवाद: प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कमला पटेल और मानवती सिंह ने उक्त भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से खरीदी थी शिकायतकर्ता का दावा है कि वर्ष 2002-03 से 2024-25 तक राज्य अभिलेखों में स्वामित्व संबंधी कॉलम में उनके नाम दर्ज रहे हैं। इसके बावजूद विवादित भूमि पर मिट्टी और डस्ट डालकर समतलीकरण करने, सीमेंट के खंभे खड़े करने तथा बार्ड्रीवॉल निर्माण की गतिविधियां किए जाने का आरोप लगाया गया है शिकायतकर्ता के अनुसार, इससे लगी खसरा क्रमांक 517/14 की

भूमि अन्य लोगों के नाम दर्ज है आरोप है कि दोनों भूखंडों की सीमाओं को लेकर भ्रम पैदा कर खसरा नंबर 517/16 की जमीन को दूसरी भूमि बताकर बेचने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यायालयीन आदेश के बावजूद निर्माण का आरोप: प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि भूमि से संबंधित विवाद सिविल न्यायालय और तहसील न्यायालय हुजूर में लंबित है साथ ही एसडीएम हुजूर के न्यायालय से स्थान आदेश प्राप्त होने तथा कमला पटेल के पक्ष में राज्यस्व संबंधी निर्णय पारित होने की बात भी कही गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इन परिस्थितियों के बावजूद निर्माण गतिविधियां जारी हैं। इन दावों और न्यायालयीन आदेशों की वास्तविक स्थिति संबंधित अभिलेखों से सत्यापित किया जाना आवश्यक है।

बीमा के 70 हजार रुपए दिलाने के लिए मांगी 4 हजार की रिश्वत, सिंचाई विभाग का बाबू गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रीवा लोकयुक्त पुलिस ने गुस्वार को सिंगरौली में सिंचाई विभाग के बड़े बाबू दिनेश कुमार श्रीवास्तव को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते री हाथ गिरफ्तार किया आरोप है कि विभाग के पूर्व

कर्मचारी की मृत्यु के बाद उनके बेटे को मिलने वाली बीमा राशि जारी कराने के बदले आरोपी ने रिश्वत की मांग की थी लोकयुक्त टीम ने बैड़न बस स्टैंड तिरहे के पास स्थित एक ऑनलाइन दुकान में ट्रेप कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ा। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है शिकायतकर्ता रंजन साकेत के

अनुसार उनके पिता रमकृष्ण साकेत सिंचाई विभाग से करीब दो साल पहले सेवानिवृत्त हुए थे लगभग डेढ़ साल पहले उनकी मृत्यु हो गई इसके बाद परिवार को विभाग से बीमा के रूप में 70 हजार रुपए मिलने थे इस राशि को प्राप्त करने के लिए रंजन विभागीय प्रक्रिया पूरी कराने का प्रयास कर रहे थे रंजन का आरोप है कि बीमा राशि जारी कराने के संबंध

में उन्होंने विभाग में पदस्थ बड़े बाबू दिनेश कुमार श्रीवास्तव से संपर्क किया इस दौरान काम कराने के बदले उनसे 4 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और वह रिश्वत देने में असमर्थ थे इसके बाद उन्होंने रीवा लोकयुक्त कार्यालय पहुंचकर

मामले की लिखित शिकायत की लोकयुक्त पुलिस के निरीक्षक एस. राम मशवी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद आरोपों की जांच की गई। प्रारंभिक जांच में रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई इसके बाद निर्धारित कार्रवाई के तहत ट्रेप दल तैयार किया गया।

ऑनलाइन दुकान में हुई कार्रवाई: गुस्वार को लोकयुक्त टीम ने बैड़न बस स्टैंड तिरहे के पास एक ऑनलाइन दुकान में कार्रवाई की इसी दौरान 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए सिंचाई विभाग के बड़े बाबू दिनेश कुमार श्रीवास्तव को पकड़ लिया गया कार्रवाई की खबर सामने आने के बाद विभागीय हलकों में हलचल मच गई।

टीएचडीसी कोल माइंस पर काचन नदी प्रदूषित करने का आरोप, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में काचन नदी के प्रदूषण को लेकर टीएचडीसी कोल माइंस पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं ग्रामीणों का कहना है कि खदान से निकलने वाला पानी सीधे नदी में छोड़ा जा रहा है वहीं खदान तक पहुंचने के लिए बने अस्थायी पुल से रोजाना करीब एक हजार कोयला वाहन गुजरते हैं जिनसे कोयला नदी में गिरता है इससे नदी के पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है मामले में क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने कंमनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगने की बात कही है।

खदान का पानी नदी में छोड़ने का आरोप: तेंदुहा के सरपंच छोटे लाल मरावी ने आरोप लगाया कि खदान से निकलने वाले पानी की निकासी सीधे काचन नदी में की जा रही है स्थानीय ग्रामीण रामलखन के मुताबिक, आसपास के कई गांवों के लोग नदी के पानी का इस्तेमाल करते हैं ऐसे में पानी प्रदूषित होने की आशंका से ग्रामीण चिंतित हैं उनका कहना



है कि नदी के पानी की नियमित जांच कराई जानी चाहिए ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

पुल से गुजरते हैं एक हजार कोयला वाहन: ग्रामीणों के अनुसार कोल माइंस तक जाने के लिए बने अस्थायी पुल से प्रतिदिन लगभग एक हजार कोयला वाहन गुजरते हैं इस दौरान कोयला नदी में गिरने का आरोप है लोगों का दावा है कि पुल के नीचे और नदी के किनारे कोयले की परतें दिखाई



देती हैं ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में यह खदान पिछले पांच वर्षों से संचालित है।

मवेशियों की मौत का भी दावा: पिड़वाह के सरपंच ने पिछले वर्ष दूधित पानी पीने से करीब 50 मवेशियों की मौत होने का दावा किया है हालांकि पशु चिकित्सकों की ओर से इन मौतों के कारण की पुष्टि नहीं की गई है ऐसे में मवेशियों की मौत और नदी के कथित प्रदूषण के बीच संबंध की जांच होना जरूरी है।

सीधी में आज लगेगा युवा संगम मेला, रोजगार और स्वरोजगार के मिलेंगे अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार, स्वरोजगार और अग्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को युवा संगम संयुक्त रोजगार, स्वरोजगार एवं अग्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह मेला युवाओं को रोजगार की संभावनाओं से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी के संयुक्त तत्वाधान में मेले का आयोजन किया जा रहा है यह मेला शासकीय कन्या महाविद्यालय

परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा।

निजी कंपनियों और शासकीय विभागों की रहेगी भागीदारी: मेले में देश, प्रदेश और स्थानीय स्तर की निजी क्षेत्र के कंपनियां शामिल होंगी इनके माध्यम से युवाओं को रोजगार के संभावित अवसरों की जानकारी मिलेगी इसके साथ ही स्वरोजगार से संबंधित विभिन्न शासकीय विभाग अपने स्टॉल लगाएंगे, जहां युवाओं को सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार के विकल्पों और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी आयोजन के दौरान युवक-युवतियों को कंपनियों और विभागीय प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा इससे वे अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार रोजगार तथा अग्रेंटिसशिप के विकल्पों को समझ सकेंगे।



मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है भाजपा के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला और अपना दल (एस) के

वर्तमान विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी के बीच विकास कार्यों को लेकर सियासी खींचतान सामने आई है चमरौहा और बरदहा पुल की मंजूरी के साथ तीरमऊ गांव की स्वीकृत सड़क का मुद्दा चर्चा

के केंद्र में है दोनों नेता सोशल मीडिया के माध्यम से अपने-अपने कार्यकाल के कार्यों का उल्लेख कर रहे हैं इस राजनीतिक बहस के बीच अब क्षेत्रवासियों की नजर इन परियोजनाओं के

धरातल पर उतरने और निर्माण कार्यों की प्रगति पर टिकी है।

पूर्व विधायक ने पुराने कार्यों का दिया हवाला: भाजपा के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने अपने कार्यकाल में कराए गए सड़क और पुल निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए वर्तमान में हो रहे विकास कार्यों पर सवाल उठाए हैं उन्होंने चमरौहा पुल की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात करने की बात कही इसके साथ ही तीरमऊ गांव में स्वीकृत सड़क का निर्माण अब तक शुरू नहीं होने का मुद्दा भी उठाया आनंद शुक्ला ने अपने कार्यकाल में कराए गए कार्यों का हवाला देते हुए क्षेत्र में विकास की स्थिति पर भी सवाल उठाए इस तरह दोनों नेताओं के बीच विकास कार्यों का श्रेय लेने और अपने-अपने

विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है।

वर्तमान विधायक ने गिनाई उपलब्धियां: वहीं, अपना दल (एस) के विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी ने चमरौहा और बरदहा पुल की मंजूरी को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया उन्होंने इन पुलों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात का उल्लेख करते हुए अपने प्रयासों को सामने रखा विधायक ने मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य होने का दावा किया उन्होंने पूर्व के कार्यकाल में क्षेत्र में विकास की स्थिति पर भी सवाल उठाए इस तरह दोनों नेताओं के बीच विकास कार्यों का श्रेय लेने और अपने-अपने

कार्यकाल की उपलब्धियां गिाने को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

बरदहा पुल से मध्यप्रदेश तक संपर्क की उमीद: बरदहा पुल को क्षेत्र के आवागमन और संपर्क व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है इसके निर्माण से मध्यप्रदेश की ओर आवाजाही सुगम होने की उमीद है वहीं चमरौहा पुल की मंजूरी से स्थानीय लोगों को आवागमन में राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है हालांकि इन परियोजनाओं का वास्तविक लाभ निर्माण पूरा होने और आवागमन शुरू होने के बाद ही सामने आएगा ऐसे में लोगों की अपेक्षा है कि स्वीकृत परियोजनाओं पर समयबद्ध तरीके से काम शुरू हो और उन्हें जल्द सुविधा मिल सके।

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कामयाम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुईं तो उनके सड़क पर उतरने का

सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह,

आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा

प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इन्वोलेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है। निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने

का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके। यानी तकनीक के साथ-साथ इंसानी निगरानी भी जरूरी होगी। इसके अलावा कंप्यूटर आधारित टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रस्तावित विस्तार पर उतना ही ध्यान देने की भी जरूरत होगी। हालांकि, वर्तमान में पहले से ही डेढ़ लाख टेस्टिंग सेंटर देश में मौजूद हैं।

सोशल मीडिया पर रील के चक्कर में जान की बाजी

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्मस पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं।आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्चों में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जुनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खतरनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोज देना सबसे आम और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवती को सड़क पर खतरनाक स्टंट करने के लिए १16,000 का भारी चालान भी भुगताना पड़ा। ऊंचे पुलों और झरनों के पास पोज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनी

इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टंट करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है। आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमें रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गीतेश पाटिल और मानव राठौड़ नामक 2 दोस्तों को गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। 4 अक्टूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरोही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमेज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापाई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफीद उर्फ मन्नु को गिरफ्तार कर लिया। 8 अक्टूबर को पश्चिम चंपारण (बिहार) के मझौलिया गांव में अपने बड़े भाई हीरामन के रील बनाने के शौक से नाराज उसके छोटे भाई विश्वनाथ ने उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया और इसी झगड़े के दौरान जान बचाने के लिए भागे हीरामन की जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण मौत हो गई।19 अक्टूबर को बौध जिला (ओडिशा) के खोरथा-बोलांगीर रेलवे ट्रैक पर लेट कर मीडिया के लिए रील बना रहा एक लड़का अचानक आई तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई 9 अक्टूबर को ही जहरीले सांपों को रैस्केयु करने और उनके साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के लिए प्रसिद्ध तपन कुमार प्रधान (28) को पुरे (ओडिशा) के कंधापुर गांव में एक कोबरा ने आक्रमक होकर उंगलियों, कोहनी और बाजू के ऊपरी हिस्से पर कई बार डस लिया जिससे उसकी मौत हो गई। वह अपने घर के बरामदे में बैठ कर एक खतरनाक कोबरा के साथ इंस्टाग्राम के लिए रील बना रहा था। 10 अक्टूबर को आगरा (उत्तर प्रदेश) के बसई अरेला क्षेत्र में एक छात्र निर्माणाधीन मकान में रखी शिकारी एयर गन को पकड़ कर उसके साथ रील बनाने लगा। इसी दौरान अचानक बंदूक से फायर हो गया और छैं लगने से युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 11 अक्टूबर को पारादीप (ओडिशा) के समुद्र तट पर रील बनाने के दौरान बेगूसराय (बिहार) से घूमने आए तीन युवक तेज लहरों की चपेट में आ जाने के परिणामस्वरूप बह गए। उपरोक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि पिछले कुछ समय के दौरान रील बनाने के रझां और इससे होने वाली दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। इस संबंध में हम युवाओं को यही सलाह देंगे कि वे अपनी जान जोखिम में डाल कर इस प्रकार के करतब न करें क्योंकि उनकी इस तरह की भूलें उनके परिवारों को जिंदगी भर की पुड़ा दे सकती हैं। युवाओं को लगता है कि एक रील वायरल होते ही वे रातों-रात स्टार बन जाएंगे। पीछे हट्टू जाने का डर दूसरों को रील बनाकर लोकप्रिय होते देख, युवा भी बिना सोचे-समझे उसी अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।स्क्रीन पर दिखने वाले लाइक और हार्ट युवाओं के दिमाग में एक अस्थायी खुशी पैदा करते हैं, जिसकी उन्हें लत लग जाती है। इस जानलेवा सनक को कैसे रोका जाए?माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनका बच्चा सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहा है और किस तरह के वीडियो बना रहा है।

औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश 2013, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और दवा मूल्य नियमों का असली इम्तिहान!

वैश्विक स्तरपर कानून की किताब में नियम, बाजार में कीमतों का खेल और मरीज की जेब पर सबसे बड़ा बोझ !किसी भी सभ्य समाज में कानून का उद्देश्य केवल व्यवस्था बनाए रखना नहीं,बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना, शोषण रोकना और न्याय सुनिश्चित करना भी होता है।भारत सहित दुनियाँ के विभिन्न देशों में आर्थिक गतिविधियों,व्यापार,स्वास्थ्य सेवाओं,औषधि निर्माण और वितरण को नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर कानून, नियम,विनियम और अधिनियम बनाए जाते हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

बदलती परिस्थितियों के अनुसार इनमें संशोधन भी किए जाते हैं,लेकिन इसके बावजूद कानूनी व्यवस्थाओं में ऐसी कमियां रह सकती हैं, जिनका लाभ उठाकर कुछ कारोबारी या संस्थाएं नियमों की सीमाओं के भीतर रहते हुए भी अनुचित आर्थिक लाभ अर्जित कर सकती हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि कई बार समस्या कानून के अभाव की नहीं, बल्कि कानून के दायरे,उसकी व्याख्या निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की होती है।जहां किसी व्यवस्था में एक श्रेणी पर नियंत्रण हो,लेकिन दूसरी समान रूप से महत्वपूर्ण श्रेणी को खुली छूट मिल जाए,तब नियमों का उद्देश्य और वास्तविक परिणाम एक-दूसरे से अलग दिखाई देने लगते हैं।यही चुनौती दवा बाजार में विशेष रूप से गंभीर हो जाती है,क्योंकि यहां किसी वस्तु की कीमत का सवाल केवल व्यापारिक लाभ-हानि तक सीमित नहीं रहता,बल्कि मरीज के जीवन, इलाज की निरंतरता और परिवार की आर्थिक सुरक्षा से सीधे जुड़ जाता है।

केंसर जैसी गंभीर बीमारी में महंगी दवाओं का खर्च अनेक परिवारों को बचत समाप्त करने,कर्ज लेने अथवा संपत्ति बेचने तक की स्थिति में पहुंचा सकता है। ऐसे में दवा की कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था में मौजूद संभावित कमियों की जांच और सुधार केवल आर्थिक सुधार नहीं,बल्कि जनहित, स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और सामाजिक न्याय का महत्वपूर्ण प्रश्न बन जाता है।सुप्रीम कोर्ट के सवालों ने क्यों खींचा ध्यान? इसको समझने की करें तो 22 सितंबर और उसके बाद की सुनवाइयों से संबंधित समाचार रिपोर्टों में केंसर की एक दवा का उदाहरण सामने आया,2,700 रुपए की दवा का 27,000 रुपए का वसूला जा रहा था।इसी व्यापक संदर्भ में 12 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से संबंधित प्रस्तुत विवरण के अनुसार, किशन चंद जैन बनाम एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड एवं अन्य, रिट याचिका (सिविल) संख्या डब्ल्यू.पी. (सी) 794/2023, का मामला दवा मूल्य निर्धारण की व्यवस्था पर महत्वपूर्ण बहस का केंद्र बना। उपलब्ध कराए गए विवरण में दो न्यायमूर्तियों की पीठ का उल्लेख है। याचिका में दवा मूल्य नियंत्रण, निजी अस्पतालों की फार्मसी में दवाओं की बिक्री तथा चिकित्सा उपकरणों की कीमतों से जुड़े प्रश्न उठाए गए हैं। हालांकि, इस मामले की तारीख,पीठ,आदेश और सरकारी हलफनामे के सभी विवरणों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है,इसलिए इस आर्टिकल के माध्यम से इस घटनाक्रम को मीडिया में उपलब्ध विवरण के आधार पर समझने की कोशिश करते हैं।

साथियों बात अगर हम डीपीसीओ 2013: कानून बना, लेकिन क्या दवा बाजार की हर कीमत पर नियंत्रण है? इसको समझने की करें तो भारत में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने का प्रमुख कानूनी ढांचा आवश्यक वस्तु अधिनियम,1955 के अंतर्गत जारी औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 यानी डीपीसीओ 2013 है। इसे लागू करने और दवाओं की कीमतों की निगरानी करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीएफ की है।इसका उद्देश्य आवश्यक दवाओं को उचित कीमत पर उपलब्ध कराना, निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली पर कार्रवाई करना और दवाओं की उपलब्धता बनाए रखना है।लेकिन इस व्यवस्था में अनुसूचित और गैर-

अनुसूचित दवाओं के बीच अंतर महत्वपूर्ण है।राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची में शामिल अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था है, जबकि गैर-अनुसूचित दवाओं की शुरुआती कीमत तय करने में कंपनियों को अधिक स्वतंत्रता मिलती रही है।डीपीसीओ के पैरा 20 के अंतर्गत गैर- अनुसूचित दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में किसी भी 12 महीने की अवधि में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि नहीं की जा सकती। ध्यान देने योग्य बात यह है कि सालाना वृद्धि की सीमा और शुरुआती कीमत पर नियंत्रण दो अलग-अलग विषय हैं। यदि किसी दवा की शुरुआती कीमत ही बहुत अधिक रखी जाती है, तो उस पर सालाना वृद्धि की सीमा अपने आप मरीज को सस्ती दवा उपलब्ध नहीं करा देती। यही वह कानूनी और नीतिगत अंतर है, जिसे सटीकता से वर्तमान विवाद के केंद्र में रखा गया है।

साथियों बात अगर हम सोमवार दिनांक12 अक्टूबर 2026: केंसर की दवाओं पर 30 प्रतिशत ट्रेड मार्जिन की सरकारी योजना को समझने की करें तो 12 अक्टूबर की सुनवाई से संबंधित रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि गैर-अनुसूचित केंसर रोधी दवाओं के ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने की योजना बनाई गई है। एनपीपीएफ की 8 अक्टूबर 2026 की बैठक में इस विषय पर निर्णय की जानकारी सामने आई। सरकार ने ऐसी विशेषज्ञ समिति गठित की है, जिसे निर्धारित समय के भीतर उन केंसर दवाओं की सूची तैयार करनी है, जिन पर यह व्यवस्था लागू होगी। प्रस्तावित सूची को बाजार की परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतों के अनुसार समय-समय पर अद्यतन करने की भी बात कही गई है। इस योजना का उद्देश्य उन दवाओं की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि को रोकना है, जिन पर पहले अनुसूचित दवाओं जैसा प्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण लागू नहीं था। हालांकि, 30 प्रतिशत की सीमा को समझते समय यह स्पष्ट रहना चाहिए कि ट्रेड मार्जिन और एमआरपी एक ही चीज नहीं हैं। ट्रेड मार्जिन वितरण श्रृंखला में खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य के बीच अंतर से संबंधित होता है। इसे किस आधार पर और किन- किन स्तरों पर लागू किया जाएगा, इसका अंतिम प्रभाव अधिसूचित नियमों तथा दवाओं की सूची पर निर्भर करेगा। इसलिए यह कहना कि हर केंसर दवा

की कीमत निश्चित रूप से 70 प्रतिशत घट जाएगी,अभी उचित नहीं होगा। समाचार रिपोर्टों में कुछ दवाओं की सीमित नहीं हैं 20 से 70 प्रतिशत तक संभावित कमी और मरीजों को सालाना लगभग १2,500 करोड़ की बचत का अनुमान बताया गया है। ये अनुमान हैं; वास्तविक बचत लागू व्यवस्था और दवा-विशेष के मूल्य पर निर्भर करेगी।

साथियों बात अगर हम क्या केवल केंसर की दवाएं ही महंगी हैं? सुप्रीम कोर्ट का व्यापक सवाल इसको समझने की करें तो, इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि दवा मूल्य निर्धारण की समस्या केवल केंसर के उपचार तक सीमित नहीं है। हृदय रोग, मधुमेह, संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी लाखों परिवारों के नियमित खर्च का हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त, स्टैंट, कैथेटर, सर्लाइन से जुड़ी उपभोग्य सामग्री और दूसरे चिकित्सा उपकरणों की कीमतें भी उपचार की कुल लागत को प्रभावित करती हैं। याचिका से संबंधित रिपोर्टों के अनुसार,अस्पतालों और चिकित्सा सामग्री की बिक्री में अत्यधिक मूल्य-अंतर तथा मरीजों के पास खरीद के सीमित विकल्प जैसे मुद्दे न्यायालय के समक्ष उठाए गए हैं। 12 अक्टूबर की सुनवाई पर प्रकाशित रिपोर्टों में बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से सवाल किया कि यदि केंसर की दवाओं के ट्रेड मार्जिन को नियंत्रित किया जा सकता है,तो अन्य जीवन रक्षक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों चाहिए।अदालत ने दवा बाजार के व्यापक मूल्यनिर्धारण तंत्र की समीक्षा पर जोर दिया और 27 अक्टूबर 2026 को अगली सुनवाई के लिए मामला सूचीबद्ध किया।यहां अदालत की भूमिका और सरकार की भूमिका के बीच अंतर भी महत्वपूर्ण है। न्यायालय सरकार से नीतिगत कमियों पर विचार करने, उपलब्ध कानूनी शक्तियों का उपयोग करने और जनहित में समाधान तलाशने को कह सकता है; लेकिन किसी नई मूल्य सीमा का वास्तविक क्रियान्वयन संबंधित कानूनी प्रावधानों, सरकारी निर्णय और आवश्यक अधिसूचनाओं के माध्यमसे ही होगा।इसलिए सभी दवाओं पर 16 प्रतिशत का समान मार्जिन लागू होने की बात को अभी अंतिम सरकारी निर्णय नहीं माना जाना चाहिए। इस विषय पर न्यायालय के प्रश्न और किसी बाध्यकारी अंतिम आदेश के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है।

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?

योगेश कुमार गोयल

दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें ज़िंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विडम्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं।

आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण

भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के केनेडा में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई के संगठित करते 'विश्व खाद्य दिवस' के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है 'आज नवाचार करो। कल का पोषण करें।'

एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में पीठे पानी के

संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अनप्युक्त संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं।

दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना

या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दुषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दुषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख किसी नई मूल्य सीमा का वास्तविक क्रियान्वयन संबंधित कानूनी प्रावधानों, सरकारी निर्णय और आवश्यक अधिसूचनाओं के माध्यमसे ही होगा।इसलिए सभी दवाओं पर 16 प्रतिशत का समान मार्जिन लागू होने की बात को अभी अंतिम सरकारी निर्णय नहीं माना जाना चाहिए। इस विषय पर न्यायालय के प्रश्न और किसी बाध्यकारी अंतिम आदेश के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है।

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती हैं। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आर्थिक रूप से

ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है।

बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग की सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सफाई के नए समाधान ढूंढने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करने होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए किफायती पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा।

27' OBC आरक्षण की मांग पर प्रदर्शन, विधायक और महासभा नेता के बीच तीखी बहस

कलेक्ट्रेट में एक घंटे तक नारेबाजी और धरना, लंबित भर्तियों की स्थिति सार्वजनिक करने तथा नौवीं अनुसूची में आरक्षण शामिल करने की मांग

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ वर्ग (OBC) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर गुरुवार को ओबीसी महासभा के कार्यकर्ताओं ने शिवपुरी में प्रदर्शन किया रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपनी माों उठाई इस दौरान ज़ापन लेने पहुंचे एडीएम को ज़ापन देने से प्रदर्शनकारियों ने इनकार कर दिया और कलेक्टर को ही ज़ापन सौंपने की मांग पर अड़ गए इसके चलते कलेक्ट्रेट परिसर में करीब एक घंटे तक धरना और नारेबाजी होती रही विधायक और महासभा नेता के बीच तीखी नोकझोंक प्रदर्शन के दौरान ओबीसी महासभा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवर सिंह धाकड़ और विधायक देवेंद्र जैन के बीच हाईकोर्ट के फैसले को लेकर चर्चा हुई। बातचीत के दौरान धाकड़ ने अपनी शिक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि वह



जेयुएट हैं और पढ़े-लिखे हैं इस पर विधायक ने सवालिया अंदाज में कहा तो मैं गधा हूं इसके बाद धाकड़ ने जवाब दिया हां आप गधे हो इस घटनाक्रम के बाद प्रदर्शन के दौरान हुई बहस चर्चा का विषय बन गई प्रदर्शन में पोहरी से कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह भी शामिल हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया

कि अच्छे कार्यों का श्रेय भाजपा लेती है जबकि गलतियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया जाता है उन्होंने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी विधायकों की भूमिका पर उठए सवाल प्रदर्शन में केशव सार ने भी ओबीसी वर्ग के मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठाए उन्होंने पिछोर



विधायक प्रीतम लोधी की आलोचना करते हुए कहा कि समाज के मुद्दों पर साथ नहीं देने वाले जनप्रतिनिधियों का विरोध होना चाहिए भर्ती प्रक्रिया और कानूनी समाधान की मांग ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट राजेन्द्र सिंह लोधी ने 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए प्रभावी

कानूनी और विधायी पहल की मांग की। संगठन ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल और अन्य भर्ती एजेंसियों की लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की स्थिति सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई महासभा ने सरकार से आरक्षण के मुद्दे पर उसका लोकतांत्रिक और न्यायालयीन संघर्ष जारी रहेगा।

कराने और संवैधानिक समाधान तलाशने की मांग की साथ ही 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए नया कानून बनाने तथा उसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए केंद्र सरकार से पहल करने की मांग की। संगठन ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर उसका लोकतांत्रिक और न्यायालयीन संघर्ष जारी रहेगा।

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर विद्यार्थियों को दिया स्वच्छता और स्वस्थ जीवन का संदेश ग्राम पंचायत चैनपुर के प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, बच्चों को बताए हाथ धोने के सही तरीके और स्वच्छता के लाभ



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जिले के ग्राम पंचायत चैनपुर स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में 'स्वच्छ हाथ, स्वास्थ्य जीवन' की थीम पर हाथ धुलाई जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित हाथ धुलाई तथा संक्रमक बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि स्वच्छ हाथ न केवल अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है बल्कि अनेक बीमारियों से बचाव का प्रभावी माध्यम भी हैं कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को गंदे हाथों के माध्यम से फैलने वाले बैक्टीरिया

वायरस एवं अन्य हानिकारक कीटपुच्छों के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों को समझाया गया कि हाथों की नियमित सफाई नहीं करने से डायरिया पेट संबंधी संक्रमण सहित विभिन्न संक्रमक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। साबुन और स्वच्छ पानी से सही तरीके से हाथ धोने की आदत अपनाकर इन बीमारियों को जांचिम को काफी हद

तक कम किया जा सकता है जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भोजन करने से पहले, शौच के बाद तथा गंदगी के संपर्क में आने पर साबुन और स्वच्छ पानी से हाथ धोने की आवश्यकता बताई गई। साथ ही हाथ धोने के दौरान हथेलियों, हाथों के पिछले हिस्से, उंगलियों के बीच तथा नाखूनों के आसपास अच्छी तरह सफाई करने

के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों को कम से कम 20 सेकंड तक साबुन से हाथ धोने की सलाह दी गई स्वच्छता की आदत अपनाने और दूसरों को जागरूक करने का आह्वान कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वच्छता को अपने दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही उन्हें अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नियमित हाथ धुलाई और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया विश्व हाथ धुलाई दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं को किया जागरूक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित बालिका शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण पर दिया विशेष जोर

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करने के साथ समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना था। इस अवसर पर छात्राओं को शिक्षा के महत्व, समान अवसरों की आवश्यकता तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई कलेक्टर सुश्री



संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया गया छात्राओं को बताया गया कि शिक्षा उनके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बालिकाएं न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकती हैं बल्कि परिवार, समाज

और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अपनी प्रतिभा को पहचानने तथा जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया गया बालिका शिक्षा, सुरक्षा और लैंगिक समानता पर दिया संदेश कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को शिक्षा के अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण,

व्यक्तिगत सुरक्षा तथा समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना परिवार एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है बालिकाओं के प्रति भेदभाव समाप्त करने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने तथा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुीतियों की रोकथाम के लिए जागरूकता आवश्यक है छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने किसी भी प्रकार की परेशानी या असुरक्षित परिस्थिति में सहायता लेने तथा शिक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही परिवार और विद्यालय के सहयोग से बालिकाओं को सुरक्षित एवं प्रोत्साहन पूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने का संदेश दिया गया।

एमपी में OBC आरक्षण 50' करने की मांग, भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी ने सौंपा ज़ापन

राष्ट्रपति के नाम नर्मदापुरम में ज़ापन, बोले—शिक्षा और सरकारी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग को मिले उचित प्रतिनिधित्व



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ वर्ग (OBC) का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग तेज होने लगी है इसी मांग को लेकर गुरुवार को आजाद

समाज पार्टी (कांशीराम) के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज़ापन सौंपा। जिला अध्यक्ष कामता प्रसाद के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां नारेबाजी के बाद नायब

तहसीलदार को ज़ापन सौंपकर ओबीसी वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की मांग उठाई गई जिला अध्यक्ष कामता प्रसाद ने कहा कि ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों और युवाओं को शिक्षा, सरकारी नौकरियों तथा अन्य क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व और समान अवसर मिलना चाहिए उन्होंने सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए आरक्षण के विषय पर प्रभावी निर्णय लेने की मांग की पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि ओबीसी वर्ग की आबादी, सामाजिक स्थिति और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व का आकलन

किया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा और रोजगार के अवसरों में पिछड़े वर्ग के युवाओं को उचित भागीदारी मिल सके ज़ापन के माध्यम से ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई इसके साथ ही ओबीसी वर्ग की आबादी, सामाजिक-शैक्षणिक पिछड़ेपन और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व का आकलन कराने की मांग की गई पार्टी ने विद्यार्थियों को शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा में उचित अवसर उपलब्ध कराने और सरकारी नौकरियों में ओबीसी युवाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व

देने की बात भी रखी। इसके अलावा आरक्षण से संबंधित निर्णय कानून और न्यायालयों के फैसलों के अनुरूप लेने की मांग की गई आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने ज़ापन के जरिए ओबीसी वर्ग के अधिकारों और अवसरों से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की पार्टी पदाधिकारियों ने सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार पर उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई अब इस मांग पर शासन और संबंधित स्तरों पर क्या निर्णय लिया जाता है इस पर नजर रहेगी।

शिवपुरी में तालाब किनारे पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 34 वर्षीय चालक की मौत



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के मझारी गांव में बुधवार शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 34 वर्षीय चालक दिमान सिंह आदिवासी की मौत हो गई। हादसा गांव में तालाब के किनारे हुआ, जहां ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से लगे खेत में पलट गया। दुर्घटना में चालक वाहन के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिमान सिंह बुधवार शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर खेत में मक्का की फसल भरने के लिए जा रहा था इसी दौरान मझारी गांव में तालाब के किनारे पहुंचने पर ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और पास स्थित जयपाल यादव के खेत में पलट गया हादसे के दौरान चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया जिससे उसे गंभीर चोटें आई घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई स्थानीय स्तर

पर उसे बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई बदरवास स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया दुर्घटना के बाद घायल दिमान सिंह को बदरवास स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया हादसे की खबर से परिजनों में शोक का माहौल छा गया पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरु की जांच घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा सके तालाब के किनारे हुए इस हादसे ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों के दौरान ट्रैक्टर चलाते समय सावधानी बरतने की जरूरत को रेखांकित किया है फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही दुर्घटना की परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अनूपपुर में 4 करोड़ के STP प्लांट का निर्माण अटका, बिना ट्रीटमेंट नदियों में मिल रहा गंदा पानी



मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। शहर के गंदे पानी को साफ कर नदियों में छोड़ने के उद्देश्य से प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का निर्माण अब तक शुरू नहीं हो सका है करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले दो प्लांट के लिए डेढ़ साल पहले टेंडर और एक साल पहले वर्क ऑर्डर जारी हो चुका है इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से शहर का सीवेज बिना उपचार के सोन, तिपान और चंदास नदियों में पहुंच रहा है इससे नदी प्रदूषण और पर्यावरण को लेकर चिंता बढ़ रही है नगर पालिका के अनूपपुर शहर में दो एसटीपी प्लांट प्रस्तावित हैं पहला प्लांट वाई क्रमांक 4 के गंदे पानी के उपचार के लिए नगर पालिका के कार्यालय परिसर में बनाया जाना है वहीं दूसरा प्लांट कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास सोन नदी के किनारे प्रस्तावित है योजना के लिए बजट और प्रशासनिक मंजूरी मिलने के

बावजूद निर्माण में देरी बनी हुई है नदियों में सीधे पहुंच रहा सीवेज शहरों में छोड़ने से निकलने वाला गंदा पानी बिना ट्रीटमेंट के नदियों तक पहुंच रहा है स्थानीय नागरिकों ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए योजना को जल्द पूरा कराने की जरूरत बताई है एसटीपी शुरू होने से गंदे पानी के उपचार और उसके उचित निस्तारण में मदद मिलने की उम्मीद है ड्राइंग-डिजाइन में देरी का हवाला नगर पालिका के सीएमओ भूपेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों प्लांट के टेंडर और वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं ड्राइंग-डिजाइन में देरी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है उन्होंने आगामी सप्ताह में काम शुरू कराने की बात कही है अब कार्यालय परिसर में बनाया जाना है वहीं दूसरा प्लांट कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास नदियों में पहुंच रहे गंदे पानी की समस्या से शहरवासियों को कब राहत मिलती है।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट के सभी विभागों का किया औचक निरीक्षण, ऑफलाइन कार्य बंद कर ऑनलाइन फाइल संधारण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में संचालित सभी विभागों का औचक निरीक्षण किया कार्यालयीन कार्यों के ऑफलाइन प्रक्रिया को बंद कर सभी शासकीय फाइलों एवं अभिलेखों का संधारण ऑनलाइन माध्यम से किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में डिजिटल प्रणाली को प्राथमिकता देते हुए फाइलों का संचालन, संधारण एवं निराकरण ऑनलाइन सुनिश्चित किया जाए इससे शासकीय कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी फाइलों की निगरानी आसान होगी तथा प्रकरणों के निराकरण में तेजी आएगी उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कोई भी फाइल अनावश्यक रूप से लंबित न रहे और सभी विभाग ऑनलाइन फाइल प्रबंधन व्यवस्था का गंभीरता से पालन करें कलेक्टर ने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली अपनाने से प्रशासनिक व्यवस्था अधिक व्यवस्थित, प्रभावी और जवाबदेह बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

सागर के रायखेड़ा में कुएं से मिला महिला का शव

पति गक्का काटने खेत गया था, बेटा खाना खाने घर आया तो मां नहीं मिली

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रायखेड़ा में बुधवार शाम कुएं में महिला का शव मिला है। बेटा और पति घर पहुंचे तो सागर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रायखेड़ा में बुधवार शाम 3:5 वर्षीय भूरी गौंड का शव कुएं में मिला। पति संतोष गौंड और बेटा खेत में मक्का काटने गए थे। दोपहर में बेटा खाना खाने घर पहुंचा तो मां नहीं मिली। उसने आसपास तलाश की और पिता को जानकारी दी। शाम को पिता-पुत्र ने भी तलाश की। संदेह होने पर कुएं में देखा तो भूरी का शव मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाया। रात होने के कारण शव देवरी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

110 क्वार्टर देशी शराब और 6 बीयर केन जब्त

मंदसौर में आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज, सागर कांड के बाद विभाग सख्त

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। सागर शराब कांड के बाद मंदसौर में आबकारी विभाग अवैध शराब के खिलाफ सख्ती बरत रहा है। जिले में हो रही लगातार कार्रवाई के बीच बुधवार देर रात विभाग ने मुवाला गांव में की गई कार्रवाई का खुलासा किया। यहां योगेंद्र नामक एक व्यक्ति के कब्जे से 110 क्वार्टर देशी शराब और 6 बीयर केन जब्त किए गए। कलेक्टर दिव्यांक सिंह और एसपी विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई में ग्राम मुवाला निवासी योगेंद्र पिता दहू सिंह भाटी (33) के कब्जे से 93 क्वार्टर मसाला शराब, 11 क्वार्टर प्लेन शराब और 6 बीयर केन बरामद किए गए। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

बीना के श्री राम होटल के किचन में लगी आग

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना के स्टेशन रोड पर स्थित श्री राम होटल में गुरुवार को आग लग गई। यह आग होटल की निचली मंजिल पर खाना बनाते समय कचरे से शुरू हुई और देखते ही देखते गैस पाइपलाइन तक पहुंच गई। इससे होटल में हड़कंप मच गया। कर्मचारी भागकर बाहर निकल आए। जानकारी के अनुसार, खाना बनाने की तैयारी कर रही महिलाओं ने सबसे पहले कचरे में आग देखी। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे होटल कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई।

जनसुनवाई बनी रहत का माध्यम, आवेदक को मिला तत्काल समाधान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम झुकर जोगी , तहसील लटेरी, जिला विदिशा निवासी श्री हरनाथ सिंह पुत्र श्री बलवंत सिंह राजपूत द्वारा जनसुनवाई में प्रस्तुत आवेदन का तत्काल निराकरण किया गया। आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अभिलेख की नकल तैयार करारक आवेदक को लोक सेवा केंद्र के माध्यम से प्रदाय की गई। आवेदन का शीघ्र निराकरण होने पर आवेदक ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने से आमजन को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सुगम और समयबद्ध रूप से मिल रहा है।

बुरहानपुर में किराना दुकान के गोदाम में लगी आग

गोदाम में रखा माल जलकर खाक, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में बुधवार देर रात कोतवाली थाना क्षेत्र की अट्टे की मस्जिद के पास किराना दुकान के गोदाम में आग लग गई। हादसे में गोदाम में रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर फाइटर की टीम मौके पर पहुंची। रात 12:30 बजे लगी आग जानकारी के अनुसार, मंडी क्षेत्र में आशीर्वाद ट्रेडर्स के गोदाम में बुधवार रात करीब 12:30 बजे अचानक आग लग गई। गोदाम संजु पंजवानी का बताया जा रहा है। आग देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे बुझाने की कोशिश की और दुकान से सामान बाहर निकालने में मदद की।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को मिला करियर निर्माण का अवसर, 47 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

● अप्रेंटिसशिप कैंपस ड्राइव में दो विद्यार्थियों का अंतिम चयन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाविद्यालय विदिशा में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार एवं व्यावसायिक कौशल से जोड़ने की दिशा में Hewlett Packard Enterprise (HPE) के सहयोग से वित्तीय अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम अंतर्गत ओपन कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से आयोजित इस कैंपस ड्राइव में विद्यार्थियों को वित्तीय सेवा क्षेत्र में करियर निर्माण के साथ ही व्यावहारिक प्रशिक्षण और कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। कैंपस ड्राइव का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप रोजगारोन्मुख अवसर उपलब्ध कराना, व्यावसायिक दक्षताओं का विकास करना तथा उन्हें उद्योग जगत की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

● लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से हुआ चयन

HPE के तीन प्रतिनिधि सदस्यों प्रशांत एच.वी., सुजाता एस. एवं लोपली महापात्रा ने चयन प्रक्रिया को संपन्न कराया। विद्यार्थियों की योग्यता एवं दक्षता का आकलन लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के माध्यम से किया गया। चयन प्रक्रिया में विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र की चयन प्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिला। वित्तीय अप्रेंटिसशिप के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को वित्तीय क्षेत्र में कार्य करने, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और कॉर्पोरेट जगत की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलेगा। यह अवसर विद्यार्थियों के लिए अपने कौशल को निखारने तथा भविष्य में बेहतर रोजगार की संभावनाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

● महाविद्यालय में रोजगारोन्मुख अवसर उपलब्ध कराने पर जोर

कार्यक्रम में आईटीआई महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कविता रघुवंशी, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाविद्यालय विदिशा की प्राचार्य डॉ. वनिता वाजपेयी, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों एवं महाविद्यालय परिवार ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को रोजगार एवं कौशल विकास से जुड़े अवसरों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वनिता वाजपेयी ने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें रोजगारोन्मुख कौशल एवं व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों जाग्रति बघेल एवं कुलदीप पटवा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। व्यावसायिक दक्षताओं को निरंतर बेहतर बनाने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कैंपस ड्राइव विद्यार्थियों को शिक्षा से रोजगार की ओर बढ़ने का व्यावहारिक मंच उपलब्ध कराते हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे ऐसे अवसरों में सक्रिय सहभागिता कर अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

● उद्योग जगत और विद्यार्थियों के बीच सेतु बना कैंपस ड्राइव

HPE के सहयोग से आयोजित यह कैंपस ड्राइव विद्यार्थियों को सीधे उद्योग जगत से जोड़ने की दिशा में सार्थक पहल साबित हुआ। इससे विद्यार्थियों को रोजगार की संभावनाओं के साथ-साथ चयन प्रक्रिया, साक्षात्कार, कॉर्पोरेट कार्य संस्कृति और व्यावहारिक दक्षताओं की उपयोगिता को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय की प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी श्रीमती श्वेता सोलंकी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजकमल प्रजापति सहित संबंधित प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महाविद्यालय द्वारा इस प्रकार के रोजगारोन्मुख कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने तथा करियर की दिशा में आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच प्राप्त हो रहा है।

खंडवा में सनावद-पुनासा हाईवे पर चक्काजाम

तेज रफ्तार बलकर ने बाइक सवार को रौंदा, मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में सनावद-पुनासा हाईवे पर बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत के बाद गुरुवार सुबह ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। हाईवे पर हरवंशपुरा फाटे पर हुए हादसे से नाराज ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह 8 बजे से हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। इससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। हादसे के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश है। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। हादसा हरवंशपुरा फाटे के पास हुआ। हरवंशपुरा गांव का रहने वाला 45 वर्षीय नानूराम पिता मांगीलाल धोपे बुधवार रात अपने खेत के सामने बाइक लेकर हाईवे किनारे खड़ा था। इसी दौरान राखड़ भरने के लिए सनावद से संत सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट जा रहे तेज रफ्तार बलकर वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नानूराम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बलकर वाहन चालक मौके से निकल गया। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस वाहन का

इंदौर-एदलाबाद हाईवे पर पलटा दूध से भरा टैंकर

महाराष्ट्र जा रहा था, बाल्टी-केन लेकर पहुंचे ग्रामीण, क्रेन से हटाया गया

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर दूध से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद हाईवे पर बड़ी मात्रा में दूध फैल गया। सड़क पर दूर तक दूध ही दूध नजर आने लगा। टैंकर पलटने की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ लोग अपने साथ बाल्टियां और पानी की केन लेकर आए। सड़क पर फैले दूध को भरकर घर ले जाने लगे। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

इंदौर से महाराष्ट्र जा रहा था टैंकर: हादसा छैंगंवमाखन थाना क्षेत्र में ग्राम मोकलगांव के पास स्थित पुलिया पर हुआ। पुलिस के अनुसार, अवैतिका डेयरी प्रोडक्ट का दूध लेकर टैंकर इंदौर से महाराष्ट्र की ओर जा रहा था। इसी दौरान टैंकर के पहिए का बेयरिंग टूट गया। इससे

टैंकर असंतुलित हो गया और पुलिया के पास पलटी खा गया। हादसे में टैंकर चालक सतीश को मामूली चोटें आई हैं। टैंकर पलटते ही जुटने लगे ग्रामीण: दूध से भरे टैंकर के पलटने के बाद सड़क पर दूध फैल गया। हादसे की जानकारी लगते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे। कई लोग अपने साथ बाल्टियां और पानी की केन लेकर पहुंचे। सड़क पर फैले दूध को बर्तनों में भरकर ले जाने लगे। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। टैंकर पलटने से हाईवे पर फैले दूध के कारण घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

➡ क्रेन की मदद से टैंकर को हटाया

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वहीं, हाईवे प्रशासन की क्रेन मशीन भी घटनास्थल पर पहुंची। इसकी मदद से पलटे हुए टैंकर को सड़क से किनारे किया गया। टैंकर के हटने के बाद यातायात को सामान्य करने की कार्रवाई की गई। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हादसे की वजह टैंकर के पहिए का बेयरिंग टूटना सामने आई है।

सफलता की कहानी

स्व सहायता समूह से जुड़कर रिकी लोधी बनीं आत्मनिर्भर, हर माह 30 हजार रुपये आय अर्जित कर रहीं

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले की श्रीमती रिकी लोधी ने स्व सहायता समूह से जुड़कर और एसबीआई आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। गरीब परिस्थितियों के दौर में कभी सीमित आय पर निर्भर रहने वाली रिकी लोधी आज अपने कियोस्क सेंटर के माध्यम से लगभग 30 हजार रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही हैं। उनकी मेहनत और लगन से आज उनका पक्का मकान है और उनकी बच्चियां अच्छे स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। शासकीय योजनाओं और आजीविका मिशन से मिली सहायता ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

बैंक सखी के प्रशिक्षण से शुरू हुआ सफलता का सफर: श्रीमती रिकी लोधी बताती हैं कि उन्होंने एसबीआई आरसेटी में बैंक सखी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने बैंक जाकर खाता खोलने, बीमा सहित विभिन्न बैंकिंग कार्यों की जानकारी और व्यावहारिक अनुभव हासिल किया। साथ ही, वे आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह से जुड़ीं और अन्य महिलाओं को भी समूह से जोड़कर उन्हें संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं। समूह में अस्थिर बनने के बाद उन्होंने बैंक से तीन लाख रुपये का ऋण लेकर अपना कियोस्क सेंटर प्रारंभ किया।

50 साल से रह रहे परिवारों को मकान खाली करने का नोटिस, न्याय और पुनर्वास की मांग पर धरने पर बैठे ग्रामीण



वे कंपनी के विरोध में नहीं हैं, बल्कि अपने परिवारों के भविष्य और पुनर्वास को लेकर न्याय चाहते हैं। एसडीएम और कलेक्टर को दिया आवेदन: ग्रामीणों के अनुसार, अपनी मांगों को लेकर त्योंथर एसडीएम और रीवा कलेक्टर को आवेदन सौंपा गया है इसके बावजूद अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है ग्रामीणों ने बताया कि एक बार तहसीलदार त्योंथर गांव पहुंचे थे और आश्वासन देकर लौट गए लेकिन उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई धरने पर बैठी महिलाओं ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी गांव में आकर मकान खाली करने के लिए दबाव बनाते हैं महिलाओं का दावा है कि उन्हें जमीन खाली नहीं करने पर जेल ले जाने की धमकी भी दी जाती है हालाँकि, इन आरोपों को स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

हैदराबाद में शतक के साथ ही होप ने पांच रिकार्ड अपने नाम की किये

हैदराबाद,एजेंसी। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने यहां हुए चौथे टी20 क्रिकेट मैच में अपने शानदार शतक से जहां अपनी टीम को जीत दिलायी है। वहीं इस दौरान पांच बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। इस मैच में जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में 2-2 से बराबरी हासिल कर ली। होप ने इस मैच में नाबाद 102 रन बनाये। इसी के साथ ही वह वेस्टइंडीज के लिए टी20 में में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। होप ने अब तक अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 3 शतक लगाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं। और तीसरे

नंबर पर एविन लुईस हैं। गेल और लुइस दोनों ने ही 2-2 शतक लगाए हैं। होप का नाम उन खास बल्लेबाजों में शामिल है, जिन्होंने टी20 सीरीज में एक से अधिक शतक लगाया है। अब तक फिल साल्ट, संजु सैमसन, तिलक वर्मा, मोहम्मद इहसान और अब शाई होप ऐसा करने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। टी20 सीरीज में सबसे अधिक तीन अर्धशतक भी उनके नाम हैं। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले निकोलस पूरन ने सीरीज के 3 मैचों में 52, 102, 5, 102 के स्कोर बनाए हैं। इसके अलावा सबसे ज्यादा 50 से अधिक रन बनाने के मामले में होप ने क्रिस गेल की बराबरी कर ली है। इन दोनों ने अब तक 16-16 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। होप ने इस मैच में शतक के साथ ही टी20 करियर में 2000 रन पूरे कर लिए हैं। वह टी20 में यह मुकाम हासिल करने वाले केवल चौथे बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले सिर्फ रोबर्मेन पावेल, ब्रेंडन किंग और निकोलस पूरन ने ही ये उपलब्धि हासिल की है।

फीफा ने सदस्य देशों को दोगुनी से भी अधिक राशि देने प्रस्ताव रखा

हेग,एजेंसी। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने साल 2027 से 2030 तक के दौरान अपने सदस्य देशों में फुटबॉल के विकास के लिए 6.35 अरब अमेरिकी डॉलर का एक कोष बनाने का प्रावधान रखा है। इसमें प्रत्येक राष्ट्रीय संघ को 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग दो अरब, 37 करोड़ रुपए) की बड़ी हुई धनराशि मिलेगी। यह राशि वर्तमान में मिलने वाली धनराशि से दोगुनी से भी अधिक है। इससे सदस्य देशों में तेजी से खेल का विकास हो सकेगा। फीफा द्वारा जारी एक दस्तावेज में बताया गया है कि यह वित्तीय पहल हाल ही में संपन्न हुए विश्व कप में मिली जबरदस्त व्यावसायिक सफलता से उत्साहित होकर की जा रही है। इस संस्था का लक्ष्य इस आय का उपयोग अपने 211 सदस्य संघों, परिसंघों और अन्य हितधारकों में फुटबॉल विकास में निवेश बढ़ाने के लिए करना है। इससे पहले, प्रत्येक फुटबॉल संघ को चार साल की अवधि के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलते थे, जिससे यह प्रस्तावित वृद्धि फुटबॉल के जमीनी स्तर से लेकर ग्लोबल स्तर तक के विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी।इस दस्तावेज में आगे कहा गया है कि फीफा ने अपने वित्तीय भंडार से कुल 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की धनराशि सदस्य देशों में वितरित करने का प्रस्ताव रखा है। जो विश्व कप की शानदार सफलता को दिखाता है। यह योजना सदस्य देशों को बुनियादी ढांचे के विकास, युवा कार्यक्रमों, महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने और कोचिंग व प्रशिक्षण सुविधाओं में सुधार के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराएगी।इस महत्वपूर्ण वित्तीय योजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी स्पष्ट कर दी गई है। इसे दिसंबर 2026 में फीफा परिषद द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसके बाद मार्च 2027 में आयोजित होने वाली 77वीं फीफा कांग्रेस में इसे अंतिम मंजूरी प्रदान की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में रबाडा कर सकते हैं वापसी : बावुमा

जोहांसबर्ग,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम के मुख्य तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा फिट हो जाएंगे। कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि रबाडा पहले से ठीक दिख रहे हैं। तीन मैचों की सीरीज का ये मुकामला 18 से 22 अक्टूबर तक गैकेब्रहा के सेंट जॉर्ज्स



पार्क में खेला जाएगा। पहला टेस्ट 214 रनों से हारने के बाद अफ्रीकी टीम के लिए मैच में वापसी बेहद अहम जरूरी जा रही है, क्योंकि वे सीरीज में वापसी की हर मुमकिन कोशिश करेंगे। रबाडा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले टेस्ट में चोट के कारण वह अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये गये थे। कप्तान बावुमा ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से रेहंथियात के तौर पर लिया गया था, जिससे उन्हें अपनी फिटनेस में सुधार के लिए कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकें। गौरतलब है कि गैकेब्रहा में होने वाला यह मुकामला दक्षिण अफ्रीका के लिए बेहद अहम है। पहले टेस्ट में मिली करारी हार ने टीम की रणनीतियों पर सवाल खड़े कर दिए थे पर रबाडा की वापसी से उनकी गेंदबाजी आक्रमण को एक नई धार मिलने की उम्मीद है। रबाडा पिछले एक साल में फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना आखिरी टेस्ट मुकामला पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। इसके अलावा, उन्होंने इस साल मई में टी20 लीग (आईपीएल) फाइनल में भी खेला था, जो उनकी मैच फिटनेस का संकेत देता है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकामलों में हमेशा प्रभावी रहे हैं, और उन्होंने अतीत में महत्वपूर्ण मौकों पर टीम के लिए पांच विकेट हॉल भी लिए हैं, जो उनकी काबिलियत दिखाता है। यदि रबाडा की वापसी होती है, तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि किस खिलाड़ी को बाहर किया जाएगा। पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों - मार्को यांसन और एनरिक नॉथिंगा को मैदान में उतारा था। उनके साथ तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर विमान मुल्लर भी टीम का हिस्सा थे। मुल्लर और यांसन दोनों ही बल्ले से भी उपयोगी योगदान देने की क्षमता रखते हैं, जिससे वे टीम में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित कर लेते हैं। ऐसे में, एनरिक नॉथिंगा के बाहर होने की संभावना सबसे अधिक दिखाई दे रही है, क्योंकि टीम को एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज की आवश्यकता है जो रबाडा के साथ नई दिंव से मोर्चा संभाल सके। एक और विकल्प स्पिनर साइमन हार्मर को बाहर करना हो सकता है।

एकदिवसीय में सर्वाधिक छक्के

मुंबई,एजेंसी। एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और छक्कों की बौछर से मैच का रुख बदलने वाले शीर्ष पांच कप्तानों में भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा का नाम प्रमुखता से शामिल है। इस विशिष्ट सूची में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में सफेद गेंद क्रिकेट में क्रांति ला दी। मॉर्गन ने बतौर कप्तान सर्वाधिक छक्के लगाकर एक मानदंड स्थापित किया है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने एक नया आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया। 2011 से 2022 के बीच, मॉर्गन ने 126 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की और 115 पारियों में कुल 147 छक्के जड़े। यह रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने दो देशों (आयरलैंड और इंग्लैंड) के लिए एकदिवसीय क्रिकेट खेला। अपनी कप्तानी के दौरान, मॉर्गन ने 44.03 की बेहतरीन औसत और



96.00 के स्ट्राइक रेट से 4,403 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। उनका 148 रनों का सर्वोच्च स्कोर उनकी विध्वंसक क्षमता को दर्शाता है। भारतीय क्रिकेट के दो महान कप्तान,

महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा, इस सूची में संयुक्त रूप से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, दोनों के नाम 126 छक्के दर्ज हैं। कैप्टन कूल के नाम से मशहूर धोनी ने 2007 से 2018 के बीच 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी

पांड्या की जगह रोहित या तिलक बन सकते हैं मुंबई इंडियंस के नये कप्तान

मुम्बई,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र में मुंबई इंडियंस की कप्तानी किये दी जाये। इसी को लेकर मुंबई इंडियंस प्रबंधन विचार-विमर्श में लगा हुआ है। पिछले दो सत्र से लगातार खराब प्रदर्शन के कारण इस बार कप्तानी से हार्दिक पांड्या की छुट्टी तय नजर आती है। ऐसे में उनकी जगह नए कप्तान की तलाश जोरों पर है। टीम प्रबंधन में इसे लेकर लेकर आमराय नहीं बन पा रही है। कप्तानी के दावेदारों के तौर पर रोहित शर्मा और युवा तिलक वर्मा के नाम सामने आये हैं। फ्रेंचाइजी ने हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन कप्तानी में बदलाव की संभावना प्रबल मानी जा रही है।

गौरतलब है कि पांड्या को साल 2024 में मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया था, लेकिन उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। 2024 में मुंबई इंडियंस अंकतालिका में आखिरी स्थान पर रही, 2025 में टीम प्लेऑफ तक पहुंची पर दूसरे क्वालिफायर में हारकर बाहर हो गई, और 2026 में तो प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना सकी। इन तीन सत्र में केवल एक बार प्लेऑफ तक

पहुंचने के कारण अब प्रबंधन नए नेतृत्व की ओर देखा रहा है।

इसमें एक खेला आईपीएल विजेता कप्तान रोहित शर्मा की वापसी का समर्थक कर रहा है। रोहित की कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब जीता है। उनका अपार अनुभव, बड़े मैचों में दबाव को संभालने की क्षमता और फ्रेंचाइजी के साथ

उनका लंबा जुड़ाव उन्हें एक बड़ा दावेदार बनाता है।

इस खेमे का मानना है कि रोहित अगले एक-दो साल के लिए टीम की कप्तान संभालें और इस दौरान युवा तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाकर उनके मार्गदर्शन में भविष्य के लिए तैयार किया जाए। हालांकि, रोहित अप्रैल 2027 तक 40 साल

के हो जाएंगे, जो उन्हें लंबी अवधि के कप्तान के तौर पर एक चुनौती पेश करता है।

वहीं, टीम प्रबंधन का दूसरा खेमा युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा पर दांव लगाने के पक्ष में है। तिलक नवंबर 2026 में 24 साल के होंगे, और अगर उन्हें कप्तानी सौंपी जाती है तो वह अगले पांच से छह साल या

वैभव को अवसर नहीं दिये जाने पर श्रीकांत ने नाराजगी जतायी

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की उपेक्षा पर नाराजगी जतायी है। श्रीकांत ने कहा है कि वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी सीरीज में बाहर रखकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। श्रीकांत का मानना है कि टीम प्रबंधन युवा प्रतिभाओं को अभी तक अवसर प्रदान करने में विफल रहा है। साथ ही कहा कि लगातार शुरुआती बल्लेबाजों को बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयोग करने के बजाय एक स्थिर रणनीति अपनानी चाहिए, जिससे युवा खिलाड़ियों का



आत्मविश्वास बना रहा। इस दौरान श्रीकांत ने स्पष्ट रूप से कहा कि टीम को अभिषेक शर्मा को कुछ समय का आराम देकर उनकी जगह संजु सैमसन और वैभव सूर्यवंशी से पारी की शुरुआत करानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभिषेक इस मौजूदा सीरीज में बल्ले से ज्यादा प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। जिससे टीम को नए विकल्पों की तलाश करनी चाहिए। श्रीकांत ने कहा, यह केवल संजु सैमसन के बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयोग बल्कि भारत ने पूरी तरह से वैभव के आत्मविश्वास को भी तोड़ दिया है।

की ओर 172 पारियों में 126 छक्के लगाए। धोनी न केवल छक्के मारने में माहिर थे, बल्कि वे मैच को अपनी शर्तों पर खत्म करने वाले बेहतरीन फिनिशर भी थे। उन्होंने 48 बार नाबाद लौटते हुए 53.55 की बेमिसाल औसत से 6,641 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उनके प्रसिद्ध हेलीकॉप्टर शॉट्स आज भी क्रिकेट प्रेमियों के जेहन में ताजा हैं।

वहीं, हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित शर्मा ने धोनी के बराबर 126 छक्के लगाए हैं, लेकिन उन्होंने यह कारनामा कहीं कम मैचों में किया है। 2017 से अब तक, रोहित ने मात्र 56 मैचों की 55 पारियों में कप्तानी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। रोहित का विस्फोटक अंदाज उनकी पहचान है, जिन्होंने 111.97 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट और 52.20 की औसत से 2,506 रन बनाए हैं, जिसमें एक ऐतिहासिक दोहरा शतक (208 रन) और 5 शतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में चौकों (251) से कहीं ज्यादा छक्कों पर भरोसा दिखाया, जो उनकी

आक्रामक खेल शैली का प्रमाण है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को अपनी कप्तानी में दो विश्व कप जिताने वाले दिग्गज रिकी पोंटिंग इस सूची में चौथे स्थान पर काबिज हैं। 2002 से 2012 तक 230 मैचों में नेतृत्व करते हुए, पोंटिंग ने 220 पारियों में 123 छक्के लगाए। बतौर कप्तान सर्वाधिक 8,497 रन (42.91 की औसत से) बनाने वाले पोंटिंग ने 22 शतक भी जमाए, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है।

दक्षिण अफ्रीका के मिस्टर 360 एबी डिविलियर्स इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं। 2012 से 2017 के बीच 103 मैचों में कप्तानी करते हुए, डिविलियर्स ने 98 पारियों में 118 छक्के जड़े। मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की अपनी अनूठी क्षमता के साथ, उन्होंने 63.94 की अविश्वसनीय औसत और 110.48 की स्ट्राइक रेट से 4,796 रन बनाए। कप्तान के रूप में उनके नाम 13 शतक और 27 अर्धशतक दर्ज हैं। जिसमें उनका 162 रनों का नाबाद स्कोर वनडे की सबसे आक्रामक पारियों में से एक है।

अब अपनी गलतियों से सबक लेकर टीम में वापसी का प्रयास कर रहे पृथ्वी

नई दिल्ली,एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आजकल रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए सर्विसेस के खिलाफ जिस प्रकार अंतिम दिन संघर्षपूर्ण मुकामले में जीत दर्ज की उससे अंदाज होता है कि अब वह पुराना फार्म हासिल कर रहे हैं। इससे उत्साहित पृथ्वी ने कहा कि वह अब अपनी गलतियों को सुधारकर टीम में वापसी चाहते हैं। इस क्रिकेट ने कहा कि मेरा लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में एक बार फिर जगह बनाना है। उन्होंने माना है कि टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतियर्षा है ऐसे में प्रदर्शन में निरंतरता बनाना भी जरूरी है। इस युवा ने कहा, 'मेरे लिए यह किसी को कुछ साबित करने के बारे में नहीं है। यह मेरे अपने से लड़ाई है। इसलिए अब मैं पहले से कहीं अधिक कड़ी मेहनत कर अपनी गलतियां सुधार रहा हूं। इसी कारण मैं सोशल मीडिया से दूर हूं और सिर्फ तीन क्रिकेट, मेरा परिवार और अपने पर ही ध्यान दे रहा हूं। बाकि बाहरी बातों पर ध्यान नहीं दे रहा हूं। साथ ही कहा, 'मैं घर पर ही रह रहा हूं हालांकि मैं अभी भी अपने परिवार के साथ डिनर के लिए बाहर जाता हूं पर जहां तक संभव हो सार्वजनिक ध्यान से बचने का प्रयास करें। अब मैं अपनी जिंदगी में निजता का ध्यान रख रहा हूं।' शॉ ने माना कि उनसे कुछ गलतियां हुई हैं, जिसे वह सुधार रहे हैं- उन्होंने कहा, 'हां, हो सकता है कि मैंने इस दौरान कुछ गलतियां की होंं। जिंदगी में कोई भी इंसान हर समय पूरी रहत हसे सही नहीं होता. यह सब आपकी किस्मत पर ही है। अब मैं पुराने समय की ओर मुड़कर नहीं देखता हूं। मेरा पूरा ध्यान आगे बढ़ने और

अपने खेल पर ही है। ' 2018 का साल पृथ्वी शॉ के लिए स्वर्णिम रहा। उनकी कप्तानी में भारत ने अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता, और उसी साल, वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करते हुए उन्होंने



धमाकेदार शतक जड़ दिया। क्रिकेट जानकारों ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा करार दिया। उनकी बल्लेबाजी में सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गजों की झलक देखी गई, जहां एक ओर वे फ्रंटफुट पर आकर तेज गेंदबाजों को बाइंड्री के पार भेजते थे, वहीं स्पिनरों के खिलाफ भी उनका फुटवर्क और शॉट चयन बेजोड़ था। हालांकि, यह शुरुआती चमक ज्यादा समय तक कायम नहीं रह सकी। पृथ्वी ने भारत के लिए अब तक केवल पांच टेस्ट, छह वनडे और एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेला है। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ था, जिसके बाद से उन्हें राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका नहीं मिला है। एक खिलाड़ी जो इतनी तेजी से चमका था, उसका इतनी जल्दी गुमनामी में चले जाना कई सवाल खड़े करता है।

श्रेयस अय्यर ने हार के लिए कमजोर गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में टीम को मिली 24 रनों की हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया है। श्रेयस ने कहा कि टीम के गेंदबाज हालात के अनुरूप गेंदबाजी नहीं कर पाये। इस मैच में 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 223 रन ही बना पायी। इससे अब सीरीज 2-2 से बराबरी पर आ गयी है। ये पहली बार है जब इस मैदान पर वेस्टइंडीज जीती है। अय्यर ने कहा कि भारतीय गेंदबाज सही लाइन और लेंथ हासिल नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि जब सामने 250 रनों का लक्ष्य हो तो टीम को एक विशेष तरीके से खेलना रहता है। साथ ही कहा कि संजु सैमसन, तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने पारी को संभालने का प्रयास किया पर लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से मैच उसके हाथ से निकल गया। मैच के बाद अय्यर ने कहा, हार का कारण कमजोर गेंदबाजी रही। मुझे लगता है हमने लाइन और लेंथ बरकरार नहीं रखी जिस कारण विरोधी टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। जब सामने 250 रनों का लक्ष्य हो तो आपको एक खास तरीके से खेलना होता है। लक्ष्य का पीछा मुझे करने का तरीका ठीक था पर हम गेंदबाजी में अपनी योजना पर काम नहीं कर पाए।

विश्वकप में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका से रहना होगा सावधान : अश्विन

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने 2027 विश्व कप को लेकर कहा है कि इसमें मेजबान होने के कारण दक्षिण अफ्रीका प्रबल दावेदार रहेगी। इसके साथ ही अश्विन ने भारत की क्षमताओं पर भी अपनी बात की। अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम में असाधारण प्रतिभा और काबिलियत है। उन्होंने विशेष रूप से तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह की भूमिका पर जोर दिया। अश्विन के अनुसार, यदि बुमराह अपनी पूरी लय में होते हैं, तो भारत के पास एक अनुभवी और बेहद प्रभावी तेज गेंदबाजी इकाई होगी जो किसी भी विरोधी टीम के लिए खतरा पैदा कर सकती है। इसके साथ ही, भारत के पास उच्च-स्तरिय स्पिनरों की भरमार है, और अश्विन ने यह भी संकेत दिया कि कुछ मैदानों पर स्पिन गेंदबाजों को अच्छी मदद मिलेगी, जो भारतीय टीम के लिए एक अतिरिक्त लाभ होगा। बल्लेबाजी विभाग में भी, टीम



के पास अनुभव की कोई कमी नहीं है, जो बड़े टूर्नामेंटों में दबाव को संभालने के लिए महत्वपूर्ण होता है और टीम को मुश्किल परिस्थितियों से

निकालने की क्षमता रखता है।

हालांकि, भारत की इन मजबूतियों के बावजूद, अश्विन का मानना है कि 2027 विश्व कप में कुछ टीमों ऐसी होंगी जो भारत को कड़ी टक्कर देंगी, और इनमें से उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को सबसे आगे रखा है। अश्विन ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें दो-तीन टीमों बहुत अच्छे लग रहे हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका उनमें से सबसे अच्छी है। उनकी राय में, दक्षिण अफ्रीका अपने घरेलू विश्व कप के लिए एक बेहद मजबूत दावेदार होगी, जो मेजबान देश को एक स्वाभाविक बढ़त दिलाता है।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की क्षमता का विस्तृत विश्लेषण करते हुए कहा कि, खासकर एसए20 जैसी लीग के बाद, वहां के खिलाड़ियों में घरेलू परिस्थितियों की गहरी समझ आ गई है। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी न केवल इन परिस्थितियों में जरूरी कौशल रखते हैं, बल्कि वे इन्हें अच्छी तरह समझते

भी हैं। अश्विन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के खेल की गुणवत्ता और उनकी एकजुटता की भी तारीफ की, यह कहते हुए कि क्रिकेट में वे एक बहुत मजबूत टीम हैं और एक इकाई के रूप में खेलते हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को इस मजबूत दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ मुकामला करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

अश्विन का यह आकलन दर्शाता है कि आगामी विश्व कप में मेजबान देश को हल्के में नहीं लिया जा सकता। जहां भारतीय टीम अपनी काबिलियत और अनुभव के दम पर एक सशक्त दावेदार होगी, वहीं घरेलू माहौल और परिस्थितियों का गहरा ज्ञान दक्षिण अफ्रीका को एक अतिरिक्त और महत्वपूर्ण बढ़त दिलाएगा। 2027 वनडे विश्व कप भले ही अभी दूर हो, लेकिन अश्विन जैसे दिग्गजों की यह प्रारंभिक टिप्पणियां क्रिकेट प्रेमियों के

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा में मां महामाया और मां शिव्यादेवी के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज नवरात्रि के अवसर पर कबीरधाम जिले के विभिन्न देवी मंदिरों में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। उन्होंने कवर्धा स्थित प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर और मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सर्वप्रथम मां महामाया मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने मां विंध्यवासिनी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश एवं कबीरधाम जिले की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। 'मां विंध्यवासिनी मंदिर में निर्माणाधीन ज्योति कलश भवन का किया निरीक्षण' उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में निर्माणाधीन ज्योति कलश भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भवन निर्माण से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। ज्योति कलश भवन के निर्माण से मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में सहायता मिलेगी। छिपानी कॉलोनी के मां दुर्गा पंडाल में किए दर्शन' उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा के छिपानी कॉलोनी स्थित मां दुर्गा पंडाल पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात भी की।

समिति प्रबंधकों और फंडमुशियों को मिलेगी 2-2 लाख रुपए की सामाजिक सुरक्षा बीमा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सरकार की कल्याणकारी पहलों के तहत इन जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को जोखिम सुरक्षा प्रदान करने के लिए समूह बीमा योजना के माध्यम से 2-2 लाख रुपये का सामाजिक सुरक्षा कवच (बीमा सुरक्षा) उपलब्ध कराया जाता है। छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज सहकारी समितियों के प्रबंधकों और फंडमुशियों के लिए एक बड़ी राहत भरा कदम उठाया गया है। अब इन्हें दो-दो लाख रुपए की सामाजिक सुरक्षा योजना के दायरे में लाया जाएगा। इसके साथ ही, समिति प्रबंधकों को सेवानिवृत्ति पर एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित की 27वीं वार्षिक साधारण सभा में कर्मचारी कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और अधोसंरचना विकास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। लंबित प्रकरणों का भुगतान और सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान बैठक में शहीद मर्देन कर्मा तैदुप्रा सांस्कृतिक सामाजिक सुरक्षा योजना के पूर्व के लंबित प्रकरणों का संघ मद से चरणबद्ध तरीके से भुगतान करने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत 69 पात्र हितग्राहियों को ऑनलाइन माध्यम से सीधे राशि ट्रांसफर की गई। मैदानी स्तर पर दिन-रात मेहनत करने वाले समिति प्रबंधकों और फंडमुशियों के लिए बीमा योजना के स्थान पर अब सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत दो-दो लाख रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है आधारभूत संरचनाओं को मिलेगा बढ़ावा साधारण सभा में यह भी तय किया गया कि जिन प्राथमिक सहकारी समितियों के पास अपने भवन नहीं हैं, उनके लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर नए भवनों का निर्माण किया जाएगा। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के वन धन विकास केंद्रों के लिए भी नए भवन बनाए जाएंगे, जिससे जनजातीय आजीविका और लघु वनोपज से जुड़ी गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी। साथ ही, समितियों के कार्यालयों में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों के भव्य आयोजन के लिए पृथक से बजट का प्रावधान किया गया है। इस महत्वपूर्ण साधारण सभा में संघ के अध्यक्ष श्री रुपसाय सलाम, उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा, वन विभाग के सचिव श्री अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन सहायक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण पांडेय तथा लघु वनोपज संघ की प्रबंध संचालक श्रीमती संजीता गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सहसपुर लोहारा कॉलेज को दी 50 लाख के विकास कार्यों की सौगात



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करने और उच्च शिक्षा के लिए अधोसंरचना मजबूत करने की दिशा में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के शासकीय गजानंद माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा में 30 लाख रुपए की लागत से बनने वाले अतिरिक्त कक्ष का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने

महाविद्यालय में 15 लाख रुपए की लागत से बाउंड्रीवॉल तथा 5 लाख रुपए की लागत से बालिका शौचालय निर्माण करने की घोषणा की। महाविद्यालय में आयोजित युवा शक्ति संवाद कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उन्हें अनुशासन, मेहनत और आधुनिक तकनीक के उपयोग से भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया।

अनुशासन और मेहनत से बनाएं भविष्य

समान नागरिक संहिता पर उच्च स्तरीय समिति के समक्ष विभिन्न संगठनों व सामाजिक प्रतिनिधियों ने रखे अपने सुझाव

द्विपक्षीय चर्चा में हुई यूसीसी पर हुई रायशुमारी

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। समान नागरिक संहिता के क्रिया-व्यवन के पूर्व राज्य स्तर पर गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा विस्तृत चर्चा एवं सुझाव के लिए आज चर्चा कार्यक्रम आयोजित की गई। समान नागरिक संहिता के लिए बनाई गई समिति के सदस्य भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी श्री एम. के. राउत, समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार तथा श्रीमती ज्योतिरानी सिंह के समक्ष विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। प्रतिनिधियों को पीपीटी के माध्यम से समान नागरिक संहिता के वर्तमान नियमों एवं कानूनों की जानकारी दी गई। पुराने सिकंदर हाउस के सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर गठित राज्य स्तरीय समिति द्वारा आज आयोजित परामर्श बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान समिति के सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधियों तथा समाज प्रमुखों से बिन्दुवार चर्चा की। इस दौरान मुख्य रूप से विवाह और तलाक, उत्तराधिकार और विरासत, भ्रमण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों पर सभी पक्षों से खुलकर सुझाव प्राप्त किए गए। इस दौरान रानी दुर्गावती जागृति महिला मंडल के डॉ.



वेदवती मंडावी, श्रीमती राजकुमारी ठाकुर, श्रीमती नमिता नुरुटी, धनेश्वरी प्रभाकर, रंजना नेताम, कमला देवी नेताम, राजकुमारी ध्रुव, पुष्पा प्रिस्ट और वंदना कतमान ने आदिवासी समाज की रूढ़िगत परंपराओं और विशिष्ट सांस्कृतिक ताने-बाने की रक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आदिवासी समुदाय की मौलिक पहचान और अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें समान नागरिक संहिता के दायरे से पृथक रखने का औपचारिक अनुरोध किया। वहीं द्वितीय सत्र में अल्पसंख्यक समुदाय से पंजीयन कराने तथा संपत्ति व वसीयत से जुड़े कानूनी प्रावधानों व लिव-इन संबंध अपने विचार रखे। उक्त चर्चा में मुस्लिम

समुदाय से प्रमुख रूप से सर्वश्री अहमद नूरानी, श्रीमती अयाज तनवीर, सैयद इरफान रिजवी, सबाउल्ला खान, मो. अदनान, मो. अश्फाक, गुलाम मुस्तफा, गुलाम सैलानी, मसीही समाज से प्रिस्ट फादर तरुण, अधिवक्ता डब्ल्यूपी मेसी, निर्मल कुजुर, सुभाषचंद्र मेथ्राम, भारतीय बौद्ध महासभा के श्री रविन्द्र गाडो तथा श्री विरेन्द्र, सतनामी समाज के श्री बी.एल. कुरें मौजूद रहे। समिति के सदस्यों ने सभी प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने आवश्यक किया कि विभिन्न सामाजिक समूहों से प्राप्त इन सभी महत्वपूर्ण व्यावहारिक तथ्यों और सुझावों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा, ताकि एक समावेशी, संतुलित और निष्पक्ष मसौदा तैयार किया जा सके।

राज्यपाल श्री डेका ने की विशेष ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता इभानन साहू की सराहना

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमन डेका से आज लोकभवन में विशेष ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता श्री इभानन साहू ने मुलाकात की। ऑटिज्म से प्रभावित आकांक्षा लायंस इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पावरमेंट रायपुर के इस 22 वर्षीय छात्र ने हांगकांग में आयोजित सोशल ओलंपिक ईस्ट एशिया रीजनल बॉलिंग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया है। राज्यपाल ने इभानन साहू की उपलब्धि को सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की पहल की। श्री डेका ने कहा कि इभानन साहू की उपलब्धि अदम्य इच्छाशक्ति



और कठोर परिश्रम का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनकी सफलता न केवल छत्तीसगढ़ पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। राज्यपाल ने आकांक्षा लायंस इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पावरमेंट रायपुर द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा एवं सर्वाधिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्था के शैक्षणिक कार्यों

को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपने स्वेच्छानुदान मद से 10 कम्प्यूटर प्रदान करने की बात कही। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन बर्बलिया, निदेशक डॉ. साधना नायक, प्राचार्य श्रीमती प्रतिष्ठा शुक्ला, एच.एफ.ओ. श्री नित्यानंद जैसवाल, इभानन की माता श्रीमती तेजश्री साहू एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के संचालनालय अनुसंधान सेवाएँ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईओआर), हैदराबाद के सहयोग से 'छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में उत्पादकता एवं आजीविका बढ़ाने हेतु तिलहन उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रोत्साहन' विषय पर जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 40 से अधिक किसानों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यशाला में तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, उन्नत किस्मों एवं गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता, वैज्ञानिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, खरपतवार प्रबंधन तथा कृषि यंत्रीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर किसानों को नाइजर (रामतिल), सूरजमुखी, कुसुम, तिल, अलसी एवं सरसों के बीज तथा अन्य कृषि आदान वितरित किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान के निदेशक ने बेमेरग में अलसी के डंठल से धागा एवं कपड़ा बनाने की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी का भी अवलोकन किया।



उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी किसानों की आमदनी बढ़ाने में विशेष रूप से सहायक सिद्ध हो सकती है। अलसी के डंठल का उपयोग कर धागा एवं कपड़ा बनाने की यह पहल कृषि

अवशेषों के मूल्यवर्धन तथा किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर सृजित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, भारतीय

तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. आर. के. माथुर, जनजातीय उप-योजना कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. जी. सुरेश, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएँ डॉ. विवेक त्रिपाठी तथा विभिन्न केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं प्रतिनिधित्व जनजातीय किसानों ने सहभागिता की। माननीय कुलपति ने तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देते हुए भारत को तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों एवं वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने तिलहन फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकों को अपनाने तथा किसानों की आय में वृद्धि के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे बस्तर अंचल, सरगुजा अंचल एवं मैदानी क्षेत्रों से आए जनजातीय कृषकों को तिलहन फसलों की विविधता, उनकी खेती तथा संबंधित उत्पादन प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया गया। इसके अतिरिक्त, किसानों को रायपुर में तिलहन फसलों की विविधता एवं प्रसंस्करण से संबंधित प्रदर्शनों का अवलोकन

कराया गया, जिससे उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिल सके। डॉ. संजय के. द्विवेदी, प्रमुख वैज्ञानिक, अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना ने तिलहन फसलों से संबंधित जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों का अवलोकन प्रस्तुत किया।

अन्य वक्ताओं ने गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता, खेत-स्तरीय प्रदर्शन, किसान प्रशिक्षण, वैज्ञानिक मार्गदर्शन, उचित भंडारण, प्रसंस्करण तथा बाजार से बेहतर जुड़ाव पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि करना तथा उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाना था। इस कार्यशाला के माध्यम से वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करते हुए जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने, कृषि आधारित आजीविका के नए अवसर प्रकट करने तथा किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना से रामचंद्र यादव के परिवार को मिला खाद्य सुरक्षा का संबल

प्रतिमाह 35 किलो चावल सहित चना, रावकर और नमक मिलने से घरेलू खर्च में राहत, परिवार की जरूरतें पूरी करना हुआ आसान

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशहाली लाने और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली से मिलने वाला नियमित राशन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक साबित हो रहा है। इसी योजना से लाभान्वित जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्राम रापा निवासी रामचंद्र यादव के परिवार को भी बड़ी राहत मिल रही है। रामचंद्र यादव को राशन कार्ड के माध्यम से प्रतिमाह 35 किलोग्राम चावल, लाभग 2 किलोग्राम चना, 1 किलोग्राम शक्कर तथा 2 किलोग्राम नमक प्राप्त होता है। नियमित रूप से मिलने वाली इस राशन सामग्री से परिवार की भोजन संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने में सहायता मिल रही है। साथ ही बाजार से खाद्यान्न खरीदने पर होने वाले खर्च में कमी आने से परिवार के अन्य जरूरी कार्यों के लिए भी आर्थिक राहत मिल रही है। रामचंद्र यादव बताते हैं कि पहले परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए खाद्यान्न की व्यवस्था करना घरेलू बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। अब शासन की योजना के तहत नियमित राशन मिलने से परिवार को काफी सहारा मिला है। चावल के साथ चना, शक्कर और नमक जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध होने से घर की रसोई की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं। इससे परिवार को आर्थिक बचत के साथ खाद्य सुरक्षा का भरोसा भी

मिला है। मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के माध्यम से पात्र राशन कार्डधारी परिवारों को निर्धारित पात्रता के अनुसार खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक राशन सामग्री पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अत्योदय राशन कार्डधारी परिवारों को प्रतिमाह 35 किलोग्राम चावल उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस व्यवस्था से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भोजन संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिल रही है। जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की कहानियां सामने लाई जा रही हैं। ग्राम रापा के रामचंद्र यादव की कहानी भी इसी सकारात्मक बदलाव का उदाहरण है। नियमित खाद्यान्न सहायता से उनके परिवार को न केवल घरेलू खर्च में राहत मिली है, बल्कि दैनिक जरूरतों को पूरा करने का भरोसा भी बढ़ा है। रामचंद्र यादव ने योजना का लाभ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से मिलने वाली नियमित राशन उनके परिवार के लिए बड़ा सहारा है। रामचंद्र यादव की यह कहानी दर्शाती है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है, तो छोटी-छोटी सुविधाएं भी उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाने का माध्यम बनती हैं।

खेल अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक हैं- मंत्री श्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। दशहरा मैदान तिलदा में आयोजित राज्य स्तरीय पुरुष वालीबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक समापन समारोह आज संपन्न हुआ। कड़े मुकाबले और बेहतरीन खेल भावना के बीच खेले गए इस फाइनल मैच में राजनादगांव सेक्टर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रायपुर सेक्टर को हराकर प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली, जबकि रायपुर सेक्टर उपविजेता रहा। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने विजेता और उपविजेता टीमों को शीट, पदक और नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल हार-जीत का नाम नहीं है, बल्कि यह



आपसी भाईचारा, अनुशासन और शारीरिक-मानसिक विकास का मजबूत माध्यम है। छत्तीसगढ़ की माटी में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए हरसंभव संसाधन और मंच उपलब्ध करा रही है।

मंत्री श्री वर्मा ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की छुपी हुई खेल प्रतिभाएं निखर कर सामने आती हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल संघ के पदाधिकारी, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।